केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 140 शुक्रवार 13 दिसम्बर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

ठंड के साथ सर्द हवायें,गलन बढ़ी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मौसम का मिजाज लगातार सर्द होता जा रहा है। सर्द हवाओं के चलने से सुबह व शाम के वक्त गलन तेजी से बढ़ रही है। दिन के वक्त निकल रही धूप जरूर राहत दे रही है। हल्के ऊनी कपड़ों के बजाय अब सुबह व शाम के समय लोग जैकेट व मफलर का प्रयोग करने को विवश हैं। दिन के वक्त भी ऊनी कपड़ों में लोग नजर आने लगे हैं। बाजार में ऊनी कपड़ों की डिमांड बढ़ गई है। सर्द हवाओं का असर तापमान के पारे पर दिख रहा है। न्यूनतम तापमान का पारा दिसंबर के दूसरे सप्ताह में दस डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंचने लगा है। दिन के वक्त धूप निकलने से तापमान का पारा 23–24 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच रहा है। सुबह के वक्त शहर से लेकर गांव तक में लोग ठंड से बचने के लिए अलाव का सहारा ले रहे हैं। सुबह के वक्त कोहरा न पड़ने से राहगीरों को थोड़ी राहत मिल रही है। लेकिन सुबह के वक्त स्कूली बच्चों से लगायत कामकाजी लोग भी ऊनी कपड़ों से पैक होकर ही घरों से निकल रहे हैं।

दूकान में आग लगने से लाखों की क्षति

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। वाल्टरगंज थानाक्षेत्र के जमदाशाही तिराहे पर स्थित इलेक्ट्रानिक की दुकान में विद्युत शार्ट सर्किट से आग लग गई। दुकान में आग फैलने की भनक लोगों को तब लगी, जब दुकान के अंदर से धुंआ निकलता दिखा। मौके पर लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। इसकी जानकारी स्थानीय लोगों ने दुकान मालिक अब्दुल सलाम खान को सूचना पर दी। उनके पहुंचने के बाद स्थानीय लोगों की मदद से दुकान का शटर खोलने का प्रयास किया गया, लेकिन शटर छूते ही इसमें करंट उतर रहा था। शटर को डंडे व रस्सी के माध्यम से खोलने के बाद बालू, मोरंग आदि डालकर आग को पूरी तरह बुझाया गया। इस दुकान में त्रिनेत्र अभियान के तहत लगे सीसीकैमरे की एलईडी (टीवी) भी ब्लास्ट गई।

दुकान मालिक अब्दुल सलाम खान ने बताया कि आग लगने से दुकान में रखा विद्युत केबल, तार, स्विच, इनवर्टर, बैट्री, काउंटर, बल्ब सहित इलेक्ट्रानिक के काफी सामान जलकर राख हो गए। इसी दुकान के बगल रखे गए अब्दुल हक के किराने की दुकान का सामान भी जलकर राख हो गया। ग्रामीणों ने घटना की जानकारी तहसील प्रशासन को दी। सूचना पर पहुंचे हल्का लेखपाल ने नुकसान की जानकारी लेते हुए रिपोर्ट तहसील प्रशासन रुधौली को सौंप दिया है।

महिला को चाकू मारने का आरोपी गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महिला के पेट में चाकू मारने वाले आरोपी को पुलिस ने दबोच लिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने घर में घुसकर जानलेवा हमला करने का केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर हमले में प्रयुक्त चाकू भी बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी को पुलिस अभिरक्षा में न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। मंगलवार की दोपहर गौर थानाक्षेत्र के नगर पंचायत बभनान के वार्ड नंबर 11 बागेश्वरनगर निवासी रामऔतार कौशल की 35 वर्षीय पत्नी रजनी को पड़ोसी दिलदार ने घर में घुसकर चाकू मार दिया। घायल रजनी को गंभीर हाल में मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर कर दिया गया, जहां महिला का इलाज चल रहा है।

देर रात एएसपी ओपी सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और आरोपी से पूछताछ की। वहीं पुलिस ने पीड़िता के पति रामऔतार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया। इस बाबत प्रभारी निरीक्षक गौर रामकुमार राजभर ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया।

अगले आदेश तक उपासना स्थलों से संबंधित वाद पर सुनवाई या आदेश पारित नहीं करेंगी अदालतें

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 की संवैधानिकता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए कहा कि जब तक वह चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई और उनका निपटारा नहीं कर देता, तब तक देश में कोई और मुकदमा दर्ज नहीं किया जा सकता है। समीक्षा के तहत प्रमुख प्रावधानों में धारा 2, 3 और 4 शामिल हैं, जो धार्मिक स्थलों के रूपांतरण और 1947 की उनकी स्थिति के बारे में मुकदमों को रोकते हैं। इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस के वी विश्वनाथन की विशेष बेंच कर रही है।

मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) संजीव खन्ना, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने कहा, 'जब मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो क्या अन्य लोगों के लिए इस पर अपना हाथ नहीं डालना उचित नहीं होगा। 'शीर्ष अदालत ने कहा कि

–सुप्रीम फैसलाः सर्वेक्षण का आदेश भी जारी नहीं कर सकेंगी जिला अदालतें

हालांकि नए मुकदमे दायर किए जा सकते हैं लेकिन उन्हें पंजीकृत नहीं किया जाएगा और जिला अदालतों द्वारा कोई प्रभावी आदेश पारित नहीं किया जाएगा।

साथ ही शीर्ष अदालत ने 1991 के कानून की वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने के लिए केंद्र सरकार को चार सप्ताह का और समय दिया। याचिकाओं के एक समूह पर विचार करते हुए अदालत ने यह भी कहा कि कानून के क्रियान्वयन की मांग करने वाली याचिका पर भी केंद्र द्वारा कोई जवाब दाखिल नहीं किया गया है।

नवगठित पीठ ने नए मुकदमों पर विचार करने पर रोक लगाने के आदेश के विरोध को खारिज कर दिया। कानून की वैधता को चुनौती देने वालों की ओर से पेश वकीलों ने इस आदेश का विरोध किया था।

पीठ ने कहा, 'मुकदमे दायर किए जाने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जा सकती। जब मामला इस अदालत के समक्ष विचाराधीन है तो क्या दूसरों के लिए इस पर रोक लगाना उचित नहीं होगा। जब तक हम मामले की जांच नहीं कर लेते, तब तक कोई प्रभावी आदेश या सर्वेक्षण आदेश पारित नहीं किया जा सकता।'

क्या है–उपासना स्थल अधिनियम, 1991

उपासना स्थल अधिनियम, 1991 को पीवी नरसिम्हा राव सरकार ने राम मंदिर आंदोलन के चरम पर लागू किया था। इस कानून का उद्देश्य 15 अगस्त, 1947 को मौजूद धार्मिक स्थलों की स्थिति की रक्षा करना था। देश भर में मस्जिद और दरगाह सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर सर्वेक्षण करने के लिए लगभग 18 मुकदमे दायर किए गए हैं, जिसके बारे में मुस्लिम पक्षों ने दावा किया है कि यह कानून के प्रावधानों की अवहेलना है।

हाईस्कूल, इंटरमीडिएट के विद्यार्थियों को दिया सफलता का टिप्स

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया विधानसभा के महिला औद्योगिक इंटर कॉलेज बस्थनवाँ के परिसर में सफलता की कुंजी अभियान के अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन हरैया विधायक अजय सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी हरैया विनोद कुमार पाण्डेय ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि ने कहा कि सफलता के लिए लक्ष्य निर्धारित करना सबसे जरूरी है और उस लक्ष्य प्राप्ति के लिए पूरे मनोयोग से कठिन परिश्रम अनिवार्य है। सफलता का अर्थ केवल नौकरी पाना नहीं है बल्कि सफलता का असली अर्थ है प्रसन्नता। कहा कि हमारी बेटियां आज किसी भी क्षेत्र में लड़कों से पीछे नहीं है। विधायक ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान में अभिभावक खुद के सपनों को बच्चों से साकार करना चाहते हैं जो कि गलत है। बच्चे जो सपने देखे, अपनी प्रतिभा के अनुसार जो स्वयं की करने की इच्छा हो वह करें तो ज्यादा अच्छा होगा।

इस अवसर पर थाना प्रभारी परशुरामपुर दिनेश चंद्र वर्मा, थानाध्यक्ष छावनी विजय कुमार दूबे, अखिलेश सिंह, निर्मल सिंह, संदीप कुमार, सुधीर, उमेश दास, सर्वेश कुमार, विनोद कुमार पाठक, विनोद शुक्ल, अशोक कुमार मौर्य, मनोज कुमार, रवि तिवारी आदि उपस्थित रहे।

डीएम ने किया दो ग्राम पंचायतों में मनरेगा के विकास कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिलाधिकारी रवीश गुप्ता द्वारा ग्राम पंचायत कोइलपुरा व दुबखरा में मनरेगा कार्यों का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। ग्राम पंचायत कोइलपुरा में बनी इण्टरलाकिंग सड़क का स्थल पर माप करवाया गया। मापन, माप पुस्तिका में अंकित माप के समतुल्य आयी। ग्राम पंचायत दुबखरा में बन रही मिट्टी की सड़क का कार्य अभी प्रगति पर था एवं माप पुस्तिका नहीं भरी थी। एस्टीमेट से कम चौड़ाई पर स्थलीय माप पायी गयी। कारण पूछने पर अवगत कराया गया कि मात्र चकरोड़ में ही कार्य सम्भव है, चूंकि कृषक अपनी भूमि में निर्माण नहीं करने दे रहे हैं। निर्देश हुए कि ऐसे में माप पुस्तिका वास्तविक कार्य के अनुसार ही भरी जाए।

उन्होंने ग्राम पंचायत कोइलपुरा में स्थित गौशाला का निरीक्षण किया। सामान्य रखरखाव एवं पशुओं का सामान्य स्वास्थ्य ठीक पाया गया। ग्राम प्रधान द्वारा स्वयं की भूमि पर हरे चारे की खेती करके चारा दिलवाया जा रहा है जो प्रशंसनीय है। पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारी उपस्थित थे. पर दैनिक पंजिका में उनके हस्ताक्षर नहीं पाये गये। निर्देश हुए कि दैनिक पंजिका पर हस्ताक्षर अवश्य किये जायें।

उन्होंने ग्राम पंचायत कोइलपुरा में जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम में कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया एवं एप की बारीकियों को देखा। अपने समक्ष एक लाभार्थी का पंजीकरण कराया गया ंचच के प्रयोग में नेटवर्क की कुछ समस्या पायी गयी, जिससे सूचना कभी–कभी संरक्षित नहीं हो पा रही थी। उक्त को शासन के संज्ञान में लाने हेतु निर्देशित किया गया।

वन नेशन, वन इलेक्शन से जुड़े विधेयकों को मिली केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली (आभा)। नरेंद्र मोदी सरकार की अगुवाई वाली केंद्रीय कैबिनेट ने गुरूवार को 'वन नेशन, वन इलेक्शन' से जुड़े विधेयकों को मंजूरी दे दी है। सूत्रों ने बताया कि विधेयकों को मौजूदा शीतकालीन सत्र में संसद में पेश किए जाने की संभावना है। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाले पैनल ने इस संबंध में अपनी रिपोर्ट इसी साल मार्च में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंपी थी। रिपोर्ट में पहले चरण के तहत लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने की सिफारिश की गई है। उसके बाद दूसरे चरण में स्थानीय निकायों के चुनाव कराए जाने की वकालत की गई। रिपोर्ट में किसी सरकार के अविश्वास प्रस्ताव के कारण सरकार गिरने जैसी घटना को लेकर भी सुझाव दिए गए हैं।

सितंबर में सरकार ने आयोग की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया था। रिपोर्ट के अनुसार, एक साथ चुनाव कराने के मुद्दे पर विचार करते समय अन्य देशों का तुलनात्मक विश्लेषण किया गया। 'वन नेशन–वन इलेक्शन' की संभावना तलाशने के लिए गठित आयोग ने दक्षिण अफ्रीका, स्वीडन और बेल्जियम समेत सात

देशों की चुनाव प्रक्रिया का अध्ययन किया है। ऐसे देश जहां एक साथ चुनाव होते हैं, उनमें जर्मनी, जापान, इंडोनेशिया और फिलिपीन भी शामिल हैं।

एक साथ लोकसभा और विधानसभा चुनाव कराने के लिए सरकार को कानूनी रूप से टिकाऊ तंत्र विकसित करना चाहिए। पहले चरण में लोकसभा और सभी राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराए जा सकते हैं। दूसरे चरण में, नगर पालिकाओं और पंचायतों के चुनाव को लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के साथ इस तरह से समन्वित किया सकता है। नगर पालिकाओं और पंचायतों के चुनाव, संसदीय और विधानसभा चुनाव 100 दिनों के भीतर होने चाहिए।

राष्ट्रपति आम चुनाव के बाद लोकसभा की पहली बैठक की तारीख को 'नियत तिथि' के रूप में अधिसूचित करेंगे, ताकि निरंतर समन्वय स्थापित हो सके। 'नियत तिथि' के बाद नवगठित राज्य विधानसभाओं का कार्यकाल लोकसभा के पूर्ण कार्यकाल के हिसाब से छोटे किए जाएं। एक बार के अस्थायी उपाय के बाद, सभी लोकसभा और विधानसभा चुनाव भविष्य में एक साथ हो सकेंगे।

त्रिशंकु सदन या अविश्वास प्रस्ताव या ऐसी किसी घटना की स्थिति में नई लोकसभा के गठन के लिए नए सिरे से चुनाव कराए जा सकते हैं। ऐसी स्थिति में लोकसभा चुनाव के बाद नवगठित सरकार पिछली सरकार के कार्यकाल को पूरा करेगी। वहीं, राज्य विधानसभा अपना पूरा कार्यकाल जारी रखेगी, जब तक सरकार भंग नहीं हो जाती।

राज्य चुनाव आयोगों के परामर्श से चुनाव आयोग (ईसी) द्वारा एक एकल मतदाता सूची और मतदाता फोटो पहचान पत्र (ईपीआईसी) तैयार किया जाएगा और यह चुनाव आयोग द्वारा तैयार की गई किसी भी अन्य मतदाता सूची का स्थान लेगा। एक साथ चुनाव कराने के लिए साजो–सामान की व्यवस्था करने के लिए, चुनाव आयोग ईवीएम और वीवीपैट जैसे उपकरणों की खरीद, मतदान कर्मियों और सुरक्षा बलों की तैनाती और अन्य आवश्यक व्यवस्था करने के लिए पहले से एक योजना और अनुमान तैयार करेगा।

प्रयास के बावजूद सड़क हादसों में कमी नहीं आई-गड़करी

नयी दिल्ली (आभा)। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को लोकसभा में कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को लेकर भारत का रिकॉर्ड इतना 'गंदा' है कि उन्हें विश्व सम्मेलनों में मुंह छिपाना पड़ता है। उन्होंने सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि उनके मंत्रालय के तमाम प्रयासों के बावजूद सड़क हादसों में कमी नहीं आई, बल्कि

इसमें वृद्धि हो गई।

गडकरी ने कहा, ''जब तक समाज का सहयोग नहीं मिलेगा, मानवीय व्यवहार नहीं बदलेगा और कानून का डर नहीं होगा, तब तक सड़क हादसों पर अंकुश नहीं लगेगा।'' उनके अनुसार, देश में सड़क हादसों की संख्या लगातार बढ़ रही है और हर साल 1.7 लाख से अधिक लोगों की मौत ऐसी दुर्घटनाओं में हो जाती है।

गडकरी ने कहा, ''इतने लोग न लड़ाई में मरते हैं, न कोविड में मरते हैं और न ही दंगे में मरते हैं।'' उन्होंने कहा, ''मैं विश्व सम्मेलनों में जाता हूं तो मुंह छिपाता हूं।

गो सेवा आयोग उपाध्यक्ष महेश ने किया गौशालाओं का निरीक्षण, दिया निर्देश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गो सेवा आयोग उत्तर प्रदेश के उपाध्यक्ष महेश शुक्ल ने गुरुवार को विभिन्न गौशालाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गौशाला में मौजूद व्यवथाओं को देखा और जो कमी दिखी उसमें सुधार के भी निर्देश दिए। साऊँघाट ब्लॉक के मझौवा जगत स्थित अस्थाई गौशाला के निरीक्षण के दौरान कहा कि गोवंशों की अच्छे ढंग से देखभाल की जाए किसी भी स्तर से लापरवाही ना बरती जाए। दुबखरा स्थित कर्नल के सी मिश्र के फार्म हाउस पहुंचकर गौ आधारित जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित किया। प्रशंसा करते हुए कहा कि इस तरह के कार्य को

बढ़ावा मिलना चाहिए। महेश शुक्ल ने कहा कि गौशालाओं में सुधार के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज के नेतृत्व में हम सभी गौ संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध हैं। यदि भारतीय गोवंश सुरक्षित है तो हम सभी का भविष्य भी सुरक्षित है।

शिक्षकों, प्रधानों के समन्वय से हो रहा विद्यालयों का कायाकल्प –अजय सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हरैया ब्लाक के जनप्रतिनिधियों एवं प्रधानाध्यापकों की ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला बीआरसी परिसर में खण्ड शिक्षा अधिकारी विजय आनन्द की अध्यक्षता में गुरुवार को संपन्न हुई। कार्यशाला का शुभारंभ मुख्य अतिथि हरैया विधायक अजय सिंह और विशिष्ट अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष हरैया कौशलेंद्र प्रताप सिंह राजू ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके किया। मुख्य अतिथि ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानों और प्रधानाध्यापकों के आपसी समन्वय से परिषदीय विद्यालयों का कायाकल्प हो रहा है। उत्कृष्ट शिक्षकों, शिक्षामित्रों और ग्राम प्रधानों का उदाहरण देते हुए कहा कि अन्य लोग भी इन्हीं की राह पर चलते हुए विद्यालयों के साथ साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास करें। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि नगर क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों का कायाकल्प कराया जा रहा है और कंप्यूटर लैब से सुसज्जित किया जा रहा है। कहा कि आगे भी लगातार सहयोग जारी रहेगा। उन्होंने प्रधानाध्यापकों से गुणवत्ता युक्त मध्यान भोजन बनाने की अपील किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने डीबीटी, शारदा, विद्यालय प्रबंध समिति, ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत मिशन, आईसीटी लैब, बालिका शिक्षा, स्मार्ट क्लास आदि

–ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी, उन्मुखीकरण कार्यशाला में विमर्श

के बारे में विस्तार से बताया। कार्यशाला के संदर्भदाता एआरपी गिरिजेश बहादुर सिंह, उमेश सिंह, उदय प्रताप सिंह कायाकल्प और निपुण भारत मिशन के संबंध में विस्तृत ढंग से बताया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले प्रधानों और शिक्षकों, शिक्षामित्रों को अतिथियों द्वारा अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन गिरिजेश बहादुर सिंह ने किया।

इस अवसर पर अर्जुन सिंह, परशुराम सिंह मुन्ना, अखिलेश सिंह, निर्मल सिंह, बाबूलाल ओझा, संतोष शुक्ल, रामप्यारे, राजकुमार तिवारी, सत्यराम वर्मा, रवीश कुमार मिश्र, विवेक कान्त पाण्डेय, प्रेमसागर, सर्व देव सिंह, डॉ योगेश सिंह, आनंद सिंह, नरेंद्र पाण्डेय, जगदंबा द्विवेदी, अरुण शुक्ल, विद्यासागर वर्मा, शैलेश सिंह, इश्तियाक अहमद, नईमुद्दीन, मानिक राम वर्मा, चिन्मय राय, जयशंकर मिश्र, बालकृष्ण मिश्र, प्रदीप मिश्र, शैलेंद्र गौतम, भारती शुक्ला, मीरा चौधरी, हरिकेश सिंह, प्रभात सिंह, संजीत सिंह, सुजीत सिंह, राजा ओझा, अजय ओझा, राकेश सिंह, गौरव सिंह, अवधेश सिंह, मोहम्मद यूनुस, अमरचंद, हरी सिंह, हनुमान दुबे, प्रशांत सिंह, उपेंद्र तिवारी, गुलाम अशरफ, मनोज मिश्र, जितेंद्र कुमार, कंचन वर्मा, आरती पाण्डेय, ममता पाण्डेय, निरुपमा तिवारी, प्रियंका सिंह, राकेश प्रकाश श्रीवास्तव, सुनील कुमार, ऋषि सिंह, राजेश वर्मा, जमुना, रवि, राकेश आदि मौजूद रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी में दिखी छात्रों की प्रतिभा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया । इसमें बच्चों ने नव अन्वेशी विज्ञान शिल्प एवं कला का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। बच्चों द्वारा प्रदर्शित माडल एवं चित्र प्रदर्शनी ने दर्शकों का मन मुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गौ संरक्षण उपाध्यक्ष महेश शुक्ला द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा का माल्यार्पण, दीप प्रज्जवलन एवम् पुष्पार्चन से हुआ। कार्यक्रम में जिला विद्यालय निरीक्षक जगदीश शुक्ल, डॉ० सर्वेष्ट मिश्र, डॉ राजन शुक्ला, अरविन्द दूबे तथा मगफूर ने भी विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन किया। क्रियाशील विज्ञान प्रतिरूपों में निर्णायक के रूप में श्रीमती रितु चौधरी (पत्नी पुलिस अधीक्षक बस्ती), डॉ० शालिनी सिंह (महिला थाना प्रभारी), डा० सर्वेष्ट मिश्र ने प्रमुख भूमिका निभाई। निर्णायको ने छात्रों द्वारा बनाये गये विज्ञान प्रतिरूपों मे से क्रियाशील श्रेणी में प्रथम स्थान नवोदित ओझा और समूह के माडल को प्रथम स्थान, मयंक और समूह के माडल को द्वितीय स्थान, सिद्धि मिश्रा और समूह के माडल को

तृतीय स्थान तथा अक्रियाशील श्रेणी में अंश यादव और समूह के माडल को प्रथम स्थान, आयुश पाण्डेय और समूह के माडल को द्वितीय स्थान, अभिजीत और समूह को तृतीय स्थान तथा रोबोटिक्स श्रेणी में अर्नव वर्मा और समूह को प्रथम स्थान, सूफियान और समूह को द्वितीय स्थान, नव्या गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। छात्रों को सम्बोधित करते हुए महेश शुक्ला ने कहा कि विज्ञान जीवन का आधार है हमें सदैव वैज्ञानिक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए तथा अपने विचारो को सदैव सकारात्मक रखना चाहिए।

विद्यालय के प्रबन्धक धीरेन्द्र शुक्ल, प्रबन्धनिदेशक विनय शुक्ला, डा० राजन शुक्ल ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान किया।

विद्यालय के प्रबन्ध निदेशक विनय शुक्ल ने आमन्त्रित अतिथियों का आभार व्यक्त किया एवम् सभी विज्ञान एवम् कला शिक्षकों का उत्साह वर्धन किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या शशिप्रभा त्रिपाठी, रंजना यादव, आंचल, अभिनय कुमार पाण्डेय, श्रवण चौधरी, संजय प्रजापति, दिव्यांश श्रीवास्तव, गुलाब राव, राजंवत पाण्डेय, शुभम् पाण्डेय, अभय सिंह राजपूत, वकील चौधरी, राजेश कुमार पाण्डेय, नवनीत पाण्डेय, शैलेन्द्र, कुमारी दिव्यांगी, कुमारी अर्पिता, कुमारी रितु चौधरी, कुमारी अर्चना, श्रीमती नम्रता, श्रीमती कमलोज, श्रीमती पूजा, उत्कर्ष दूबे, आदि शिक्षक एवम् शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 13 दिसम्बर 2024 शुक्रवार

सम्पादकीय

तकनीकी विकास और जीवन

हमारी जिंदगी में जब भी कोई सहूलियत आयी है, उसके पीछे हमेशा नई तकनीक रही है। अगर कहें कि समूचे मानव इतिहास में यह तकनीक ही है, जिसके विकास के चलते हमारी रोजमर्रा की जिंदगी हमेशा नया रूप लेती रही है, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। तकनीकी के चलते सिर्फ एक दशक के भीतर आजकल जिंदगी इतनी ज्यादा बदल जाती है कि अगर कोई व्यक्ति 10 साल तक सोया रहे और 10 साल बाद सोकर उठे तो उसे दुनिया पहचान में नहीं आयेगी। क्योंकि तकनीकी में पिछली एक सदी से तेज रफ्तार विकास हो रहा है। यह तकनीकी ही है, जिसके कारण सिर्फ 10 साल के भीतर लोगों की जिंदगी को तो छोड़िये, बड़े—बड़े शहरों का पूरा चेहरा बदल जाता है। हालांकि नई तकनीक हमेशा इंसान के लिए ज्यादा सहूलियत लेकर आती है, लेकिन यह भी सच है कि कोई भी समाज, किसी भी दौर में तकनीकी विकास को बहुत आसानी से नहीं स्वीकारता। जब 1985—86 में भारत के दफ्तरों में कंप्यूटर आना शुरू हुआ था, तो इसका जबर्दस्त विरोध हुआ था। लोगों ने इसे खलनायक की तरह पेश किया था, मगर आज स्थिति यह है कि इसके बिना कोई छोटा से छोटा दफ्तर भी एक दिन नहीं चल सकता। पिछले एक दशक में हुए जबर्दस्त तकनीकी विकास ने उसके पहले की दुनिया का चेहरा बिल्कुल बदलकर रख दिया है। आज हाईटेक मेडिसिन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्पेस टेक्नोलॉजी, नवीकरणीय ऊर्जा और जैव प्रौद्योगिकी जैसी तकनीकों के कारण दुनिया में आमूल—चूल बदलाव हो चुका है। जानिये सिलसिलेवार, पिछले एक डेढ़ दशक में किन—किन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तकनीकी ने लंबी छलांग लगायी है।

आज हमारे पास पलक झपकने की देरी में दुनिया के एक कोने से दूसरे कोने तक अपनी बात पहुंचाने का जो हाइटेक इन्फॉर्मेशन मॉडल है, वह उपग्रह टेक्नोलॉजी में हुए जबर्दस्त विकास का नतीजा है। उपग्रह तकनीक स्पेस टेक्नोलॉजी के अंतर्गत आती है। आज उपग्रहों के माध्यम से हमारी जिंदगी के कई महत्वपूर्ण काम हो रहे हैं। संचार के अलावा उपग्रह ने धरती के पर्यावरण की निगरानी में भी जबर्दस्त भूमिका निभायी है। उपग्रहों के जरिये ही इंसान के भविष्य में परग्रही होने की कवायद को इन दिनों आधार दिया जा रहा है।एक जमाने में लगा करता था कि जीवाश्म ईंधन हमारी ऊर्जा सभ्यता का हमेशा केंद्र बिंदु रहेगा और इससे लोग काफी चिंतित भी थे, क्योंकि कभी न कभी तो जीवाश्म ईंधन खत्म होना ही है। मगर पिछले एक दशक में वैकल्पिक ऊर्जा के इतने विकल्प सामने आ गये हैं कि आज हमारी समूची ऊर्जा खपत में इन नये विकल्पों की भूमिका 30 फीसदी से ऊपर है और 2030 तक 60 फीसदी से ज्यादा वैकल्पिक ऊर्जा, हमारी कुल ऊर्जा खपत का हिस्सा बनेगी। नवीकरणीय ऊर्जा संसाधन तथा जैव प्रौद्योगिकी दोनों इसी दिशा में आगे बढ़ रही हैं। नवीनतम ऊर्जा संसाधनों में सौर ऊर्जा सबसे आगे है। यह अन्य ऊर्जा संसाधनों की तुलना में न सिर्फ काफी सस्ती बल्कि सर्वथा स्वच्छ है।

शिक्षा के क्षेत्र में तकनीकी का इस्तेमाल बढ़ने से पारंपरिक शिक्षा का चेहरा ही बदल गया है। आज ऑनलाइन एजुकेशन का एक ऐसा रूप हमारे सामने आया है, जिसमें बच्चे अपने टीचर से लगातार संपर्क में रहते हैं। यही नहीं, आज हम बिना स्कूल, कॉलेज गये और किसी तरह के व्यवधान के बिना घर बैठे शिक्षा हासिल कर रहे हैं, जो तकनीकी का ही कमाल है। ई—लर्निंग और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों में ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से शिक्षण अधिक रोचक और आसान हो गया है। इंटरनेट तथा वर्ल्ड वाइड वेब के माध्यम से आज दुनिया के किसी कोने में बैठे शिक्षक, दुनिया के किसी दूसरे कोने में बैठे छात्रों को पढ़ा रहे हैं। इंटरनेट मानव ज्ञान का एक असीम संग्रह बनकर सामने आया है। ब्लैकबोर्ड से लेकर स्मार्टबोर्ड तक बदलती तकनीकी का उपयोग क्लास रूम टीचिंग को रुचिकर बनाने के लिए किया रहा है। लाइब्रेरी का डिजिटल होना उसी प्रक्रिया का ही एक रूप है।

माना जाता है कि मेडिकल क्षेत्र में डॉक्टरों का सर्जरी करना, सबसे हिम्मत और मजबूत हृदय का काम है। डॉक्टरों को अगर अपने पेशे में कोई काम कठिन लगता है तो वह यही सर्जरी ही है। लेकिन आज तकनीक ने ऐसे उच्च शक्ति के ह्यूमनाइड रोबोट विकसित किए हैं कि ये रोबोट, डॉक्टरों के मुकाबले सर्जरी करते हुए एक फीसदी भी नहीं घबराते। शायद इसलिए भी कि रोबोट अंततः मशीन ही हैं। लेकिन रोबोटिक सर्जरी ने मेडिकल क्षेत्र का कायाकल्प कर दिया है। आज अनुभवी सर्जनों जैसी सर्जरी बिना हाथ कांपे रोबोट कर रहे हैं। रोबोट सर्जरी के साथ साथ लेजर सर्जरी भी इस दौर की उन्नत मेडिकल तकनीकों में से है। डॉक्टरों का खुद मानना है कि आज का रोबोटिक डॉक्टर किसी का ऑपरेशन करते समय, हाड़मांस के डॉक्टरों के मुकाबले कहीं ज्यादा कॉन्फिडेंस में रहता है। ओपन हार्ट सर्जरी या लैप्रोस्कोपी के दौरान कुछ समय बाद मानव सर्जन में एक अंजान कंपन होने लगता है। लेकिन रोबोट सर्जरी से कभी भी उंगलियों की कोई असामान्य हरकत नहीं होती है, इसलिए टांके लगाना अधिक सटीक हो जाता है। रोबोटिक भुजाएं शरीर की किसी भी गहराई तक पहुंच सकती हैं, जहां तक सर्जन की उंगलियां नहीं पहुंच सकतीं। कैंसर जैसे खतरनाक रोग में भी रोबोटिक सर्जरी कारगर है। रोबोटिक सर्जरी में डॉक्टर द्वारा प्रोग्राम किए गए रोबोट ऑपरेशन करते हैं। रोबोटिक सर्जरी में पूरा कंट्रोल एक कंप्यूटराइज्ड कंसोल पर बैठे सर्जन के हाथ में होता है। रोबोट सर्जरी इसलिए बेहतर मानी जाती है क्योंकि इसमें शरीर के लक्षित अंग की विजिबिलिटी ज्यादा अच्छी होती है। इसकी मदद से आसानी से किसी कठिन जगह पर मौजूद गांठ या कैंसर सेल को रिमूव किया जा सकता है। निश्चित रूप से मानव जीवन में तकनीकों का विशेष योगदान है और यह क्रम अनवरत जारी है।

पूंजीवाद का दंश और आधी दुनियां

—क्षमा शर्मा—

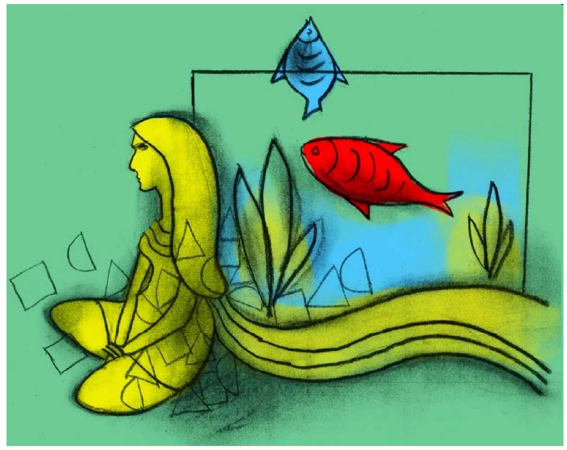

कहा जाता है कि अब तक दुनिया में चार बार फेमिनिज्म या स्त्रीवाद की लहर चली है। पहली बार स्त्रीवाद की बात उन्नीसवीं सदी के मध्य से लेकर बीसवीं सदी के शुरुआती वर्षों तक सुनी गई। फिर दूसरी बार स्त्री अधिकारों की तेज आवाजें 1960 से लेकर 1980 के शुरुआती वर्ष में देखी गईं। आपको याद होगा कि 1975 में संयुक्त राष्ट्र ने अंतर्राष्ट्रीय महिला वर्ष भी घोषित किया था। भारत में भी यह एक तरीके से स्त्रीवादी आंदोलन की शुरुआत थी। अपने यहां स्त्री अधिकारों की बातों को मीडिया ने भी उठाया। अमेरिका की तरह मीडिया बैशिंग औरतों को नहीं झेलना पड़ी। महिलाओं की सुरक्षा के लिए तरह—तरह के कानून बनाए गए। यहां तक कि भारत में तो इंदिरा गांधी 1966 में ही प्रधानमंत्री बन गई थीं, अमेरिका में राष्ट्रपति पद पर पहुंचने का इंतजार अभी तक महिलाओं को है। वहां तो वोट के अधिकार तक के लिए महिलाओं को सत्तर साल तक संघर्ष करना पड़ा था। जबकि हमारे यहां महिलाओं को वोट के अधिकार के लिए कोई संघर्ष नहीं करना पड़ा।

स्त्री अधिकारों की बात अपने यहां भी उन्नीसवीं सदी में पुनर्जागरण के नायकों और स्वतंत्रता संग्राम में भाग लेने वाले नेताओं ने जोर—शोर से उठाई थी। यों हजारों वर्षों से स्त्री की आफतों की बात होती रही है। थेरिगाथाओं में बौद्ध भिक्षुणियों की ये आवाज और शिकायतें सुनी जा सकती हैं। तुलसीदास की वे पंक्तियां भी उद्धृत करने योग्य हैं— केहि विधि नारि रची जग माहीं, पराधीन सपनेहु सुख नाहीं। बंगाल के महान उपन्यासकार शरतचंद्र ने भी अपने साहित्य में इस तरह के मुद्दों को खूब उठाया। हिंदी में भी महादेवी वर्मा, जयशंकर प्रसाद, निराला आदि के साहित्य में स्त्रियों की समस्याओं की बात प्रमुखता से मिलती है।

स्त्रीवाद की तीसरी धारा 1990 से 2010 तक मानी गई और 2010 के बाद चौथी धारा की बात की जा रही है। इसमें पितृसत्ता से पूरी मुक्ति और औरतों को समान वेतन देने की बात प्रमुखता से उठाई गई है। फिर 2018 में ट्विटर के जरिए दक्षिण कोरिया में एक आंदोलन चलाया गया, जिसे 4बी का नाम दिया गया। इसमें स्त्रियां एक कदम और आगे जा पहुंचीं। कोरियाई भाषा में ब से शुरू होने वाले चार शब्दों का प्रयोग किया गया। ये शब्द हैं— बिहोन— पुरुष से शादी नहीं, बिकुलसन दृ कोई बच्चा नहीं, बियोनाए— पुरुषों के साथ डेटिंग भी नहीं, बिसेकसेउ, पुरुषों के साथ यौन सम्बंध नहीं। इसे फोर नोज भी कहते हैं। यानी कि महिलाओं के न कहने का अधिकार।

इस आंदोलन में कहा गया था कि जो स्त्रियां अकेली रहती हैं, विवाह नहीं करतीं, जिनके बच्चे नहीं होते, कोरियाई सरकार और समाज उन्हें अच्छी नजर से नहीं देखता। महिलाओं को नौकरियों में भी पुरुषों के मुकाबले कोई प्राथमिकता नहीं मिलती। औरतों को सिर्फ उपभोक्ता समझा जाता है। पूंजीवादी समाज उन्हें हर तरह के अधिकार से वंचित करता है। समाज महिलाओं को सिर्फ मां बनाना चाहता है। जबकि मां बनना, न बनना, औरत का अपना अधिकार है क्योंकि यह उसका शरीर है। इसलिए वे अब पुरुषों से किसी भी प्रकार का सम्बंध नहीं रखना चाहतीं। वे ब्यूटी पार्लर्स का भी बहिष्कार कर रही हैं। कमाल ये है कि महिलाओं ने अपनी आफतों के लिए पूंजीवाद को दोषी ठहराया है, मगर बहिष्कार वे पुरुषों का कर रही हैं। जबकि पूंजीवाद में पुरुष भी मात्र उपभोक्ता में तब्दील कर दिए गए हैं, और वे भी शिकार ही हैं।

अमेरिका में जब से रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप, डेमोक्रेटिक पार्टी के कमला हैरिस को हराकर चुनाव जीता है, तब से वहां भी 4बी आंदोलन की आवाज सुनाई दे रही है। स्त्रियां पुरुषों का पूरी तरह से बहिष्कार करना चाहती हैं। इसका एक बड़ा कारण यह है कि ट्रंप को गर्भपात विरोधी माना जाता है। यहां भी औरतों का मानना है कि वे मां बनें या न बनें , यह उन्हें ही तय करने दीजिए। कोई पुरुष उन्हें इसके ऊपर लाद नहीं सकता। ट्रंप अपने भाषणों में बार—बार कहते रहे हैं कि अमेरिकी समाज की बड़ी जरूरत परिवार और परिवार के मूल्यों की वापसी है। पूर्व उपराष्ट्रपति अल गेर की पत्नी तो परिवार की वापसी का आंदोलन 1993 से चला रही हैं। लेकिन अमेरिकी स्त्रियां कोरियाई स्त्रियों की तरह ही कह रही हैं कि उन्हें भी अपने जीवन में कोई पुरुष नहीं चाहिए। हम उन्हें सत्ता में आने से रोक नहीं सकते, मगर उनसे दूर तो हो सकते हैं। उनका मानना है कि वे जैसे चाहें जीवन जीएं, यह उनका अधिकार है। इसीलिए औरतें कह रही हैं कि न वे सजेंगी, संवरेंगी, न पेडिक्योर कराएंगी, न मेनिक्योर। वे डेटिंग एप्स और वेबसाइट्स को अलविदा कह रही हैं।

पुरुषों के सम्पूर्ण बहिष्कार की बातों से कोई भी समाज कहां जा सकता है। एक तरफ स्त्रियां पुरुषों का पूरी तरह से बहिष्कार चाहती हैं, तो दूसरी तरफ दुनिया में ऐसे अनेक देश हैं, जो स्त्रियों को मामूली मानव अधिकार तक नहीं देते। वे सदियों पुराने धार्मिक कानूनों से उन्हें हांकते हैं और इसे जस्टीफाई भी करते हैं। तालिबानों ने तो महिलाओं की शिक्षा, उनके बाहर निकलने, संगीत सुनने आदि तक पर प्रतिबंध लगा दिया है। 4बी चलाने वाली स्त्रियों की नजर इन महिलाओं पर नहीं जाती। क्या ये औरतें नहीं। इनके कोई मानव अधिकार नहीं। ये स्त्रियां, स्त्री विमर्श से बाहर क्यों हैं। अपने यहां भी जब सरकार ने तीन तलाक के खात्मे का निर्णय किया था, तो बहुत—से लोगों ने धार्मिक मान्यताओं का हवाला देकर इसका विरोध किया था। यदि तलाकशुदा मुसलमान स्त्रियों की हालत जाननी हो, तो राष्ट्रीय महिला आयोग के लिए सईदा हमीद द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट वायस आफ द वायसलैस पढ़ी जा सकती है, जिसमें इन अभागी औरतों का ऐसा वर्णन है कि रोंगटे खड़े हो जाते हैं। आखिर धर्म के ठेकेदारों को अपनी ही स्त्रियों की चिंता क्यों नहीं होती।

देखने की बात यह है कि अमेरिका में एक ट्रेडिशनल वाइफ मूवमेंट भी है, जिसमें बहुत सी स्त्रियां कहती हैं कि वे अपने घरों में रहना चाहती हैं। पति और बच्चों की देखभाल करना चाहती हैं। पति के लिए भोजन पकाना तथा हर तरह के अन्य कामों में उनकी दिलचस्पी है। वे घर और दफ्तर के बीच दौड़ती रहना नहीं चाहतीं। अगर ध्यान से देखें तो जब भी कोई विमर्श जन्म लेता है, उसका प्रति विमर्श भी साथ—साथ आंखें खोलता है और उसे चुनौतियां देने लगता है। क्या दुनिया के सारे पुरुष स्त्रियों को सता रहे हैं या बहुसंख्यक वे भी पीड़ित और सताए गए हैं। चांदी की चम्मच जिनके मुंह में हैं, वे स्त्री हों या पुरुष, पूरी दुनिया में मजे में हैं और उनकी सम्पत्ति लगातार बढ़ती जा रही है। निजी जीवन में पुरुष नहीं चाहिए, तो जिस आत्मनिर्भरता के परचम को लहरा रही हैं, कार्यस्थलों से भी क्या पुरुषों को खदेड़ देंगी।

यदि इस समाज में सिर्फ औरतें रहेंगी, तो क्या वास्तव में तमाम तरह के शोषण और अन्याय से मुक्ति मिल सकेगी। स्त्रियों का राज होगा, तो क्या सत्ता चलाने का तंत्र बदल जाएगा। शायद नहीं, क्योंकि सत्ता चलाने के अपने तंत्र होते हैं और दुनिया में कोई भी सत्ता हो, वह निरंकुशता से ही चलती है। कोई सत्ता भी इससे मुक्त नहीं होगी। इतिहास भी इस बात का गवाह है।—लेखिका वरिष्ठ पत्रकार हैं।

ई.वी.एम. की विश्वसनीयता पर उठते सवाल

—शिशु शर्मा 'शांतल'—

देश में समय—समय पर होने वाले विभिन्न चुनावों के परिणाम आने के बाद इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनें यानी ई.वी.एम. अक्सर आलोचना का शिकार बनती आई हैं। हाल ही में सम्पन्न महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा के चुनावों के बाद इन दिनों एक बार फिर से यह 'बेचारी' ई.वी.एम. आलोचना का शिकार होकर लगातार मीडिया की सुर्खियां बटोर रही हैं। जहां भी सत्ता की चाबी जिस दल के पास आती है वह तो ई.वी.एम. की भूमिका पर चुप्पी साध लेता है यानि ई.वी.एम. से निकले जनादेश को सहर्ष स्वीकार कर लेता है और अगर ऐसा नहीं होता तो निशाना ई.वी.एम. बन जाती हैं और ठीकरा 'बेचारी' ई.वी.एम. पर फूटता है। अब अगर महाराष्ट्र व झारखंड विधानसभा के चुनावों की ही बात करें तो महाराष्ट्र में भाजपा नीत महायुति गठबंधन को प्रचंड बहुमत मिला है जबकि कांग्रेस व अन्य दलों पर आधारित महा विकास अघाड़ी गठजोड़ का प्रदर्शन बेहद ही निराशाजनक रहा है।

ऐसे में एक बार फिर से 'बेचारी' ई.वी.एम. राजनीतिक दलों का कोपभाजन बन गई हैं। लेकिन झारखंड में विपक्षी दलों पर आधारित इंडिया गठजोड़ को बहुमत मिला है तो इस जीत पर सब खामोश हैं जबकि सत्ता की पूरी आस लगाकर बैठी भाजपा ने पराजय मिलने पर भी इस जनादेश को सहर्ष स्वीकार किया है। दोनों ही राज्यों में एक जैसी ई.वी.एम. का उपयोग हुआ और एक जैसी प्रणाली ही अपनाई गई तो फिर जब मतदाता की इच्छा के अनुसार जनादेश अलग—अलग है तो 'बेचारी' ई.वी.एम. की यह आलोचना क्यों?

ऐसे में एक बार फिर से 'बेचारी' ई.वी.एम. राजनीतिक दलों का कोपभाजन बन गई हैं। लेकिन झारखंड में विपक्षी दलों पर आधारित इंडिया गठजोड़ को बहुमत मिला है तो इस जीत पर सब खामोश हैं जबकि सत्ता की पूरी आस लगाकर बैठी भाजपा ने पराजय मिलने पर भी इस जनादेश को सहर्ष स्वीकार किया है। दोनों ही राज्यों में एक जैसी ई.वी.एम. का उपयोग हुआ और एक जैसी प्रणाली ही अपनाई गई तो फिर जब मतदाता की इच्छा के अनुसार जनादेश अलग—अलग है तो 'बेचारी' ई.वी.एम. की यह आलोचना क्यों? राजनीतिक दलों को अपनी लचर कारगुजारी के बल पर चुनावों में मतदाता द्वारा ठुकराए जाने के बाद मिलने वाली पराजय के लिए हार का ठीकरा 'बेचारी' ई.वी.एम. या भारत निर्वाचन आयोग पर फोडना कैसे तर्कसंगत माना जा सकता है। राजनीतिक दलों द्वारा उठाई आपत्तियों व शंकाओं का निराकरण चुनाव आयोग एक नहीं अनेकों बार सार्वजनिक तौर पर कर चुका है। हरियाणा विधानसभा के चुनाव परिणाम के बाद भी 'बेचारी' ई.वी.एम. आलोचना का शिकार बनी और तब मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कांग्रेस की शंकाओं को सिरे से खारिज करते हुए एकदम निर्मूल व मनघड़ंत बताया लेकिन इसके बावजूद कांग्रेस पार्टी विशेष रूप से अपनी लगातार गिरती हुई साख को बचाने के लिए ई.वी.एम. पर निशाना साध रही है।

यह कितना हैरानीजनक लगता है कि हिमाचल प्रदेश में इसी ई.वी.एम. से निकले जनादेश के बल पर ही आज वहां सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार सत्ता सुख भोग रही है और वहां भी इस 'बेचारी' ई.वी.एम. पर उंगली उठाई जा रही है यह दिग्भ्रमित कांग्रेस नेता क्यों नहीं सोचते कि ऐसे हास्यास्पद बयान तो आम आदमी के गले भी नहीं उतरेंगे। अब सवाल उठता है कि अगर ई.वी.एम. को हैक किया जा सकता है या ई.वी.एम. पर डाला गया वोट एक विशेष पार्टी के पक्ष में जाता है तो फिर भाजपा के उम्मीदवारों को इतने वोट क्यों नहीं मिल सके कि वे जीत का स्वाद चखने से वंचित रह गए। ऐसा ही जनादेश उत्तर प्रदेश में सामने आया है जहां कि कुल 9 विधानसभा उप चुनावों में से 7 पर भाजपा और 2 पर समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार जीते हैं। केरल के वायनाड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने तो 4 लाख से भी अधिक मतों से धमाकेदार जीत दर्ज करते हुए लोकसभा में प्रवेश किया है। यानी कहा जा सकता है कि राजनीतिक दल ई.वी.एम. को लेकर अपनी सुविधा के मुताबिक रुख बनाते हैं और 'चित्त भी मेरी पट भी मेरी' की नीति पर चलते हुए अपनी हार के कारणों की विवेचना किए बिना समाज में अपनी हो रही हास्यास्पद स्थिति से बचने का प्रयास करते हैं।

कांग्रेस पार्टी समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के इस रवैये से समाज के बहुत कम हिस्से में ई.वी.एम. को लेकर एक विपरीत धारणा तो बन सकती है लेकिन देश की बहुसंख्या राजनीतिक दलों की ऐसी बातों पर भरोसा करने को कतई तैयार नहीं है। विभिन्न राजनीतिक दलों और गैर—सरकारी संगठनों द्वारा ई.वी.एम. की वैधता को चुनौती देने वाली अनेक याचिकाओं पर विभिन्न राज्यों के उच्च न्यायालय पहले भी अपना सकारात्मक निर्णय सुना चुके हैं। न्यायालय का स्पष्ट मत है कि चुनाव में 'बैलेट पेपर' यानी मत पत्र की वापसी नहीं हो सकती है। ऐसे में विभिन्न राजनीतिक दलों को न्यायालय के इस महत्वपूर्ण और दिशा परक निर्णय को स्वीकारते हुए ई.वी.एम. पर आरोप लगाने के इस लम्बे अध्याय को अब दूरदर्शिता दिखाते हुए हमेशा—हमेशा के लिए बंद कर देना चाहिए।— लेखक (भारतीय सूचना सेवा के पूर्व अधिकारी) हैं)

नये कानून और न्यायिक सुधार

—डॉ. सुधीर कुमार वत्स—

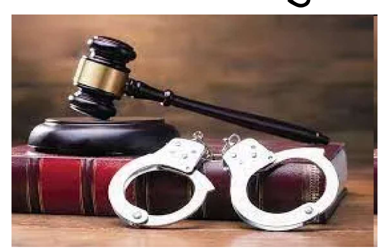

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के लागू होने के बाद से देश भर में इन नए कानूनों को लेकर विभिन्न तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। ये नये कानून भारतीय कानूनी प्रणाली के आधुनिकीकरण और सरलीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। ब्रिटिश काल के पुराने कानूनों को बदलकर, ये नए कानून देश की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुरूप हैं और न्याय व्यवस्था में तेजी लाने, लंबित मामलों को जल्दी निपटाने में मदद करेंगे। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में अपराधों की जांच और मुकदमों को तय समय सीमा में निपटाने की व्यवस्था है, जिससे न्याय में देरी नहीं होगी।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए मजबूत प्रावधान किए गए हैं, जिससे सुरक्षा की भावना बढ़ी है और अपराधों पर नियंत्रण की उम्मीद है। इन कानूनों के माध्यम से सरकार कानून का शासन स्थापित करने और कानून व्यवस्था बनाए रखने का संकल्प दोहरा रही है। कई लोग मानते हैं कि ये कानून देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देंगे, क्योंकि ये निवेशकों के लिए एक अनुकूल वातावरण तैयार करेंगे।

इन कानूनों में तकनीकी बदलाव किए गए हैं, जैसे इलेक्ट्रॉनिक सबूतों को स्वीकार करना, जो जांच प्रक्रिया को अधिक कुशल और प्रभावी बनाता है। कुछ लोगों का मानना है कि इन नए कानूनों में कई जगह अस्पष्टताएं हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ता भी चिंतित हैं कि इन कानूनों का इस्तेमाल मौलिक अधिकारों का हनन करने के लिए किया जा सकता है। कुछ विपक्षी दलों और कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को बनाने में पर्याप्त चर्चा और विचार—विमर्श नहीं किया गया है। कुछ का मानना है कि इन कानूनों के तहत सरकार को बहुत अधिक शक्तियां दे दी गई हैं, जिसका दुरुपयोग हो सकता है।

कई विपक्षी दल और नागरिक समाज संगठन इन कानूनों को लोकतंत्र के लिए चुनौती मानते हैं, यह चिंता जताते हुए कि ये कानून सरकार को विरोधियों को दबाने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अतिक्रमण का एक उपकरण प्रदान कर सकते हैं। कानूनों में अस्पष्ट और व्यापक शब्दों के प्रयोग से इनके दुरुपयोग का डर है, जैसे कि 'देशद्रोह' के दायरे को लेकर उठे सवाल। विपक्ष का आरोप है कि इन कानूनों को संसद में बिना पर्याप्त चर्चा और बहस के जल्दबाजी में पारित किया गया। उनका कहना है कि ये कानून व्यक्तिगत स्वतंत्रता और अधिकारों का उल्लंघन करते हैं, विशेषकर गिरफ्तारी और हिरासत से संबंधित प्रावधानों को लेकर चिंता जताई गई है।

कुछ लोगों का मानना है कि ये कानून पुलिस को अधिक शक्तियां देंगे, जिससे नागरिकों का दमन बढ़ सकता है। विद्वानों के अनुसार, ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए चुनौती हो सकते हैं। अल्पसंख्यक समुदाय और विपक्षी दलों का आरोप है कि ये कानून विशेष रूप से उनके लिए चिंताजनक स्थितियां उत्पन्न करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कानूनों को लागू करने के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचा और मानव संसाधन अभी भी पर्याप्त नहीं हैं। लोग चिंतित हैं कि इन कानूनों का गलत इस्तेमाल हो सकता है और अधिकारों का हनन हो सकता है।

कुछ लोग नए कानूनों का स्वागत कर रहे हैं, जबकि कुछ को संदेह है। कई का मानना है कि इन कानूनों के प्रभाव का सही आकलन करने में समय लगेगा। तर्क देते हैं कि ये कानून देश में कानून व्यवस्था को मजबूत करेंगे, अपराधों पर अंकुश लगाएंगे और न्यायपालिका को अधिक प्रभावी बनाएंगे। वकीलों का एक वर्ग इन कानूनों का विरोध कर रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमजोर करेंगे। नागरिक समाज के कई संगठन इन कानूनों का विरोध कर रहे हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ये कानून लोकतंत्र के मूल्यों के खिलाफ हैं।

नए कानून में राजद्रोह के दायरे को लेकर कई सवाल उठे हैं। विपक्ष का तर्क है कि यह प्रावधान सरकार के आलोचकों को निशाना बनाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। जमानत मिलने के मानदंडों को लेकर भी कई सवाल उठे हैं। पुलिसिया हिरासत के दौरान लोगों के अधिकारों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं। नए कानून में डिजिटल निगरानी के प्रावधानों को लेकर भी चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

कुछ का मानना है कि ये नए कानून काफी जटिल हैं और आम लोगों को इन्हें समझने में मुश्किल होगी। अदालतें इन कानूनों की व्याख्या कैसे करती हैं, और कानून प्रवर्तन एजेंसियां इन कानूनों को किस तरह से लागू करती हैं, यह भी एक महत्वपूर्ण कारक होगा।

भारतीय न्याय संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता में हुए बदलावों को लेकर जनता की प्रतिक्रियाएं विविध हैं। इन कानूनों के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलू हैं। इन कानूनों के दीर्घकालिक प्रभाव का आकलन करने के लिए अभी और समय की आवश्यकता है। देखना बाकी है कि ये कानून जमीनी स्तर पर कैसे लागू किए जाते हैं और उनका आम नागरिकों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कानून एक जीवंत दस्तावेज है और समय के साथ इसमें बदलाव होते रहते हैं।

तांत्रिक के चक्कर में एक युवक ने पड़ोसी के 7 वर्षीय बेटे की कर दी हत्या, गिरफ्तार

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के थाना हरदत्तनगर गिरंट के छेदा गांव के रहने वाले दीपू की 3 वर्ष पहले शादी हुई थी। पत्नी गर्भवती होने के बाद उसका गर्भपात हो जाता था। इस पर उसने कुछ झाड़ फूंक करने वाले तांत्रिकों से पूछताछ किया। तो उन्होंने बताया कि तुम्हारे पड़ोसियों ने तुम्हारी पत्नी पर भूत– प्रेत का साया कर दिया है। इसलिए तुम्हें अब संतान नहीं होगी। तांत्रिकों की बात को सही मानकर वह पड़ोसी से रंजिश रखने लगा। इसी रंजिश को लेकर एक दिन पड़ोसी के 7 वर्षीय मासूम बेटे को नमकीन खिलाने के बहाने बुला ले गया। एक ढाबली पर ले जाकर उसे नमकीन खिलाया। उसके बाद खेत में ले जाकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। शव को वहीं पर छोड़कर फरार हो गया। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर मृत्यु होने की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी। मासूम की हत्या का खुलासा करने के लिए कई टीम लगाई गई थी। पुलिस ने 24 घंटे के भीतर इस पूरे घटनाक्रम का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

हत्यारोपी दीपू ने पुलिस को पूछताछ में बताया कि मेरी शादी तीन वर्ष पहले हुई थी। मेरे कोई संतान नही थी। मेरी पत्नी दो बार गर्भवती होने के बाद दोनो बार गर्भपात हो गया था। जिससे मै और मेरी पत्नी काफी परेशान रहते थे। इसके उपाय के लिए मैने झाड़–फूंक करने वाले कई लोगो का सहारा लिया। उन लोगो ने बताया कि तुम्हारे पड़ोसियों ने टोटका कराया है। मेरे कोई संतान न होने का कारण मेरे पड़ोसी मेलेराम व उनकी पत्नी पूनम मुझे चिढ़ाते थे। इस बात से नाराज होकर मंगलवार को मेलेराम का लड़का अरुण जो मेरे घर के पास खेल रहा था। मै उसे अपने साथ दुकान ले गया। जहाँ पर उसे नमकीन खरीद कर दिलवायी। फिर अरुण को अपने साथ अरहर के खेत के अन्दर ले जाकर गला दबाकर उसकी उसकी हत्या कर दी। इसके बाद मैं काफी डर गया। इसलिए घर से भाग गया। क्षेत्राधिकारी भिनगा ने बताया कि 10 दिसंबर को थाना हरदत नगर में एक 7 वर्षीय बालक की हत्या कर दी गई थी। इसमें अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया था। 24 घंटे के अंदर घटना का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। पूछताछ में उसने बताया कि उसके पत्नी को बच्चे नहीं हो रहे थे। यह बात उसने कुछ तांत्रिकों से पूछा तो उन्होंने कहा कि तुम्हारे पड़ोसियों ने भूत–प्रेत का साया कर दिया है। इसी वजह से बच्चे नहीं हो रहे हैं। संतान न होने का पड़ोसी ताना भी मारते थे। इसलिए हमने उनके बेटे अरुण की हत्या कर दी। एसओजी प्रभारी नितिन यादव, मुख्य आरक्षी अवनीश विक्रम सिंह, आरक्षी विरेंद्र यादव, अभिषेक सिंह, रिषभ गौड़थाना हरदत्त नगर गिरंट थानाध्यक्ष शैलकान्त उपाध्याय, वरिष्ठ उप निरीक्षक अंकुर वर्मा, उप निरीक्षक छैल बिहारी, हेड कांस्टेबल नीरजपाल सिंह, जयशीष यादव, मनीषा शर्मा शामिल रहे।

अनियंत्रित डीसीएम ने ढाबों और पान की ढाबली में मारी टक्कर, एक की मौत, तीन घायल

संवाददाता–बहराइच। अनियंत्रित डीसीएम ने ढाबों और पान की ढाबली में टक्कर मार दी। हादसे में एक की मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। बुधवार की रात अनियंत्रित डीसीएम ने ढाबों और पान की ढाबली पर टक्कर मार दी। इसके बाद खंती में पलट गई। इसकी चपेट में आकर एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि तीन घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को मेडिकल कॉलेज भेजा।

हादसा देहात कोतवाली क्षेत्र के चिलवरिया चीनी मिल के पास हुआ। यहां गोमती प्रसाद वर्मा और रामजी का ढाबा है। पास में ही नान्हू की पान की ढाबली है। देर रात गोंडा से पालिश लादकर आसाम रोड स्थित फैक्ट्री में माल उतारकर डीसीएम लौट रहा था। यहां पर डीसीएम चालक ने नियंत्रण खो दिया। ढाबों और पान की ढाबली में टक्कर मारते हुए आरिफ को रौंद दिया।

हादसे में हुजूरपुर थाना क्षेत्र के चिट्टा बड़ागांव निवासी आरिफ (36) की मौत हो गई। वहीं ढाबली संचालक नान्हू (60), डीसीएम चालक समिति के तीन लोग घायल हो गए। हादसा देख आसपास मौजूद लोग भागकर पहुंचे। साथ ही पुलिस को सूचना दिया। घायलों को अस्पताल भेजा गया।

मृतक के भाई रफीक ने बताया वह ट्रॉली में गन्ना लादकर चिलवरिया चीनी मिल आए थे। ट्रॉली लाइन में लगाने के बाद खाने पीने के लिए होटल पर बैठे थे। इसी समय हादसा हो गया। गाड़ी गोंडा के खरगूपुर थाना के इच्छापुरवा निवासी शिवकुमार उर्फ अरविंद (50) चला रहा था।

आपदा से निपटने में महिलाएं निभाएं सक्रिय भूमिका

संवाददाता–गोंडा। प्राकृतिक आपदाएं टाली नहीं जा सकती हैं लेकिन आपदा प्रबंधन से काफी हद तक जन–धन की हानि रोकी जा सकती है। इसी एजेंडे के तहत गुरुवार को जिला पंचायत सभागार में मंडलीय कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें स्वयं सहायता समूह की प्रमुखों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण दिया। इसमें मण्डल के चारों जिलों से 75–75 स्वयं सहायता समूह की प्रमुखों व आपदा प्रबंधन अधिकारियों ने हिस्सा लिया। देवीपाटन मंडल के आयुक्त शशि भूषण लाल सुशील ने दीप जलाकर कार्यशाला का शुभारंभ किया। एडीएम आलोक कुमार ने अतिथियों का स्वागत कर कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई। मंडलायुक्त ने कहा कि आपदा प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका अहम है। आपदा के दौरान महिलायें सबसे पहले प्रभावित होती हैं। इसलिए महिलाएं आपदा प्रबंधन से निपटने की पहली कड़ी हो सकती है।

समस्याओं को लेकर शिक्षकों का प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

संवाददाता–गोंडा। शिक्षकों की समस्या को लेकर शिक्षक संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने गुरुवार को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) का घेराव करके उप शिक्षा निदेशक को ज्ञापन सौंपा है। उ.प्र.जू. हा. पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ की जिलाध्यक्ष किरन सिंह ने कहा कि बीआरसी पर प्रशिक्षण कराने के बजाए अब शिक्षकों को 50–50 किलोमीटर दूर डायट पर प्रशिक्षण के लिए बुलाया जा रहा है। जिसके लिए उनको कोई यात्रा भत्ता भी नही दिया जाता है। संयोजक सतीश पाण्डेय ने कहा कि शिक्षकों को डायट पर काफी अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ रहा है। मोबाइल मे नेटवर्क समस्या, बाथरूम की साफ–सफाई व्यवस्था सबसे खराब है। जिससे महिला शिक्षिकाओं को काफी समस्या होती हैं। प्रशिक्षण मे अनावश्यक रूप से शिक्षकों को परेशान किया जाता है। अटेवा जिलाध्यक्ष अमर यादव ने कहा कि पूर्व की भांति बीआरसी पर ही प्रशिक्षण कराया जाए। जिससे शिक्षकों को रोजाना कई किलोमीटर का चक्कर न लगाना पड़े। विशिष्ट बीटीसी शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अनूप सिंह ने कहा कि इस मांग को लेकर शिक्षक का प्रतिनिधिमंडल जल्द ही महानिदेशक से भी मिलेगा। प्रदर्शन मे बेसिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मुशीर सिद्दीकी, गौरव पांडे, आजाद बेग, ओमप्रकाश पासवान, पवन सिंह, शिवकुमार, रत्नेश द्विवेदी, विशाल वर्मा, पुनीत कुमार, सन्तराम वर्मा , दिलीप सिंह, गौरव सिंह, गंगा बख्श सिंह, आशुतोष पाण्डेय, बाल कृष्ण गुप्ता, सोनाली मिश्रा, अंकिता दूबे, राधा यादव, कविता तिवारी, रानू शुक्ला, राहुल सेन, हनुमंत लाल शुक्ला, बृजेश वर्मा, शिव पूजन कनौजिया, पवन दूबे, रामभजन लाल सहित अन्य उपस्थित रहे।

अब गरीब बेटियों की शादी का जिम्मा उठा रही सरकार –सुरेश्वर

संवाददाता–बहराइच। अब गरीब बेटियों की शादी का जिम्मा भाजपा सरकार उठा रही है। साथ ही 51 हजार रुपए के उपहार भी दिए जाते हैं। उन निर्धन एवं गरीब माता– पिता की अपने बेटियों के हाथ पीले करने की चिंता खत्म हो चुकी है। जिनके पास मेहमानों को भोजन करवाने की व्यवस्था तक नहीं होती है। यह बातें मुख्य अतिथि विधायक सुरेश्वर सिंह ने तहसील महसी के तेजवापुर ब्लॉक कार्यालय के सामने मैदान में गुरुवार को आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह कार्यक्रम में कही।

समारोह में 151 जोड़ों ने एक दूसरे का हाथ थामा। जिसमें 140 ने अपने जीवन साथी के साथ वैदिक मंत्रों के बीच फेरे लिए, तो 11 जोड़ों को काजी ने निकाह पढ़वाया। कार्यक्रम का सफल आयोजन बीडीओ महसी हेमंत कुमार यादव के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। महसी के तेजवापुर में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह कार्यक्रम में 151 गरीब कन्याओं को धार्मिक रीति–रिवाजों के साथ जीवनसाथी मिला। महसी ब्लॉक के 59, तेजवापुर के 21, शिवपुर के 33, कैसरगंज के 20, जरवल के 9, चित्तौरा के 5, फखरपुर के 4 युगल जोड़ों ने अपना जीवनसाथी चुनकर अपने परिजनों, मुख्य अतिथि विधायक महसी, प्रशासनिक आला अफसरों व हजारों लोगों की मौजूदगी में एक दूसरे का हाथ थामकर जीवन भर साथ निभाने की कसमें खाईं। विवाहोपरांत विधायक सुरेश्वर सिंह, अखंड प्रताप सिंह ने विवाहित जोड़ों को दहेज का सरकारी सामान, नवदंपतियों को शादी का प्रमाण पत्र एवं उपहार भेंट कर आशीर्वाद दिया। विधायक ने कहा कि हर गरीब का सपना होता है कि हमारी बेटी की शादी में भी उच्च स्तर के लोग शामिल हो धूमधाम से अपनी बेटी की शादी करें लेकिन उनका यह सपना आंखों में ही दफन हो जाता था, जिसके लिए हमारी सरकार ने सामूहिक विवाह कार्यक्रम करने की योजना बनाई और अब गरीब का सपना पूरा हो रहा है। अब गरीब बेटियों की शादी में मुख्यमंत्री, विधायक सहित जनप्रतिनिधि जिलाधिकारी सहित आला अफसर हिस्सा लेते हैं और वर– वधू पक्ष की जिम्मेदारी निभाते हैं। भाजपा की सरकार आपके द्वार का सपना साकार हो रहा है। सामूहिक विवाह समारोह में बृजेश एंड पार्टी की ओर से ढोल नगाड़े व सोहर संगीत संग मांगलिक गीतों से परिसर गुंजायमान रहा।

जड़ी सिंह हत्याकांड के शूटरों को लेकर घटनास्थल पर पहुंची पुलिस

संवाददाता–देवरिया। बनकटा क्षेत्र के जंजीरहा गांव के प्रधान एवं शराब माफिया अजीत सिंह उर्फ जड़ी सिंह की हत्या करने दोनों शूटरों को पुलिस घटनास्थल पर ले गई और घटना का रिक्रिएशन किया। शूटरों की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त हथियार के बरामद होने की भी चर्चा है। शूटरों ने पुलिस की पूछताछ में कई अहम जानकारी दी है। दीपावली की रात अजीत सिंह उर्फ जड़ी की हत्या सोहनपुर बाजार में जुआ खेलने के दौरान हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने सोहनपुर निवासी राजू चौरसिया एवं दरोगा उर्फ अखिलेश तथा अहिरौली बघेल निवासी राजेश सिंह उर्फ पिंटू तथा प्रमोद सिंह के अलावा कुछ अज्ञात के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने दीपक मद्देशिया उर्फ टमाटर, प्रदीप मद्धेशिया व जिस मकान में जुआ हो रहा था उसके मकान मालिक पंकज जायसवाल को जेल भेज दिया है।

घटना को अंजाम देने के बाद दोनों शूटर राजू चौरसिया और अखिलेश कुशवाहा उर्फ दरोगा अवैध शराब में बिहार के हाजीपुर में जेल चले गये। शूटरों की बिहार में गिरफ्तारी की सूचना मिलने के बाद से ही पुलिस दोनों शूटरों को रिमांड पर लेने में जुट गयी। न्यायालय से 36 घंटे का रिमांड मिलने पर पुलिस ने दोनों शूटरों को बुधवार की शाम बनकटा लेकर पहुंची।

पुलिस गुरूवार की सुबह राजू और अखिलेश को घटनास्थल पर लेकर गई। जहां पर घटना का रिक्रिएशन किया। अभियुक्तों ने घटना को कैसे अंजाम दिया, इसके बाद अभियुक्त किधर से फरार हुए इनके बारे में पुलिस को जानकारियां दी है। रिमांड की अवधि समाप्त होने पर दोनों अभियुक्तों को शुक्रवार की सुबह पुलिस हाजीपुर जेल में पहुंचा देगी।

महान समाज सुधारक और आध्यात्मिक गुरु थे बाबाजी –डॉ. शलभ मणि

संवाददाता–देवरिया। स्थानीय बाबा राघवदास भगवानदास स्नातकोत्तर महाविद्यालय आश्रम में गुरुवार को बाबा राघवदास महाराज की 128 वी जयंती धूमधाम से मनाई गई। मुख्य अतिथि देवरिया सदर के विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी ने कहा कि बाबा राघवदास जी महाराज एक महान समाज सुधारक और आध्यात्मिक गुरु थे। जिन्होंने अपना जीवन समाज के अंतिम लाइन में खड़े व्यक्तियों की सेवा और उत्थान के लिए समर्पित किया था।

शलभ मणि ने कहा कि बाबाजी अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद 16 वर्ष की उम्र में गृह त्यागकर समाज सेवा के क्षेत्र में कदम रख दिया। गरीबों और वंचितों की सेवा करने के लिए कई संस्थाओं की स्थापना की। कार्यक्रम के अध्यक्षीय सम्बोधन में संतविनोबा पीजी कालेज देवरिया के प्राचार्य प्रो अर्जुन मिश्र ने कहा कि बाबा राघवदास ने लोगों को भगवान की भक्ति और सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

भगवान की सेवा करने का सबसे अच्छा तरीका गरीबों और वंचितों की सेवा करना है। परमहंस आश्रम बरहज के पीठाधीश्वर अनजाने दास जी ने कहा कि बाबा जी का संपूर्ण जीवन समाज के लिए समर्पित था उनका कहना था कि यह जीवन समाज का है और इसका एक–एक क्षण समाज के निर्माण में लगा देना चाहिए। प्राचार्य प्रो.शम्भुनाथ तिवारी ने स्वागत भाषण कर आगन्तुकों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

डॉ० सूरज प्रकाश गुप्ता, डॉ० अमरेश त्रिपाठी तथा डॉ० राकेश कुमार सिंह ने अतिथियों का माल्यार्पण एवं पश्चात स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया। मंगलाचरण विनय कुमार मिश्रा तथा प्रदीप शुक्ला ने प्रस्तुत किया। सरस्वती वंदना अदिति राजभर एवं स्वागत गीत सुग्रीव यादव ने प्रस्तुत किया। संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ० अरविंद कुमार पांडेय ने किया।

इस दौरान प्रमुख रूप से झब्बू प्रसाद मिश्रा, डॉ० महंत प्रसाद कुशवाहा, पारसनाथ यादव, प्रेमशंकर पाठक, डॉ०किरण पाठक, आरती पांडेय, अरविंद त्रिपाठी, डॉ० दर्शना श्रीवास्तव, डॉ० मंजू यादव, डॉ० राकेश कुमार सिंह, डॉ० संजय कुमार सिंह, डॉ० अनुज श्रीवास्तव, डॉ० विनय कुमार तिवारी, डॉ० अविकल शर्मा, मनीष श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे। बाबा राघवदास जयंती समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं के प्रतिभागी विजेताओं को स्वर्ण, रजत तथा कांस्य पदक देकर पुरस्कृत किया गया। कुल 91 प्रतिभागियों को पदक प्राप्त हुआ। 31 को स्वर्ण, 26 को रजत तथा 32 को कांस्य पदक दिया गया।

9.2 डिग्री पहुंचा न्यूनतम तापमान, सिहरन बढ़ी

संवाददाता–गोंडा। लगातार दूसरे दिन तापमान में लुढकने का क्रम जारी रहा। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 9.2 डिग्री रिकार्ड किया गया। सर्द हवाओं के असर से दिन की खिली धूप के बावजूद भी अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटों में भी आसमान साफ व शुष्क बना रह सकता है। बीते 24 घंटो में न्यूनतम तापमान में एक डिग्री की गिरावट देखी गई। जबकि बीते 48 घंटो में बुधवार को न्यूनतम तापमान में तीन डिग्री की गिरावट हुई है। तापमान में लगातार गिरावट होने के कारण सुबह और शाम को ठिठुरन भरी सर्दी के चलते लोगों को परेशानियां हुई। सुबह 9 बजे तक दुपहिया वाहनों पर यात्रा करने वालों को मुश्किलें हुई। मौसम विभाग के अनुसार पहाड़ों पर सक्रिय रहकर अच्छी बर्फबारी देने वाला पश्चिमी विक्षोभ अब गुजर गया है। जबकि देश के उत्तरी क्षेत्रों पर कोई सक्रिय सिस्टम नहीं है। ऐसे में अनुमान है कि अगले 24 घंटो में पछुवा हवाओं के साथ मिलकर सर्द बर्फीली हवाओं का चलना तापमान में तेजी से गिरावट होने की संभावनाएं बन सकती हैं।

पंचमुखी हनुमान मंदिर की संपत्ति उठा ले गए भूमिया

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। प्राण प्रतिष्ठा के बाद अयोध्या में संपत्तियों की कीमत कई गुना बढ़ जाने के कारण भूमाफियाओं की नजर अयोध्या के सभी मंदिरों पर रहती है और मौका मिलते ही सुनियोजित तरीके से उसे पर कब्जा करने के लिए सोचने लगते और मौका मिलते ही कब्जा करने का प्रयास करते हैं। अयोध्या बाईपास के पास बाईपास से रामघाट जोड़ने वाले मार्ग पर सदियों पुराना रमरमा बाबा और इस आश्रम में पंचमुखी हनुमान मंदिर जिसके जिसका संचालन श्री रमरमा बाबा सनातनी सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत शिवनारायण दास त्यागी महाराज द्वारा किया जाता है। भूमाफियाओं की नजर आश्रम के पंचमुखी हनुमान मंदिर पर थी और मंगलवार को अयोध्या के कुछ भूमाफिया मंदिर पर पहुंचे और कब्जा करने की नीयत से मंदिर पर तीन से बनाए गए निर्माण को ध्वस्त करके उठा ले गए। महंत शिवनारायण दास ने बताया कि श्री रमरमा बाबा आश्रम कहीं मंदिर पंचमुखी हनुमान मंदिर है जिस पर बनाए गए तीन सेट को तोड़कर अयोध्या के कुछ भूमाफिया सामान को उठा ले गए, जिनकी तहरीर अयोध्या कोतवाली में दी गई है उन्होंने कहा कि आश्रम की जो भी छति हुई है, प्रशासन जांच करके उसकी पूर्ति करें अगर ऐसा नहीं करता है तो इसकी शिकायत हम मुख्यमंत्री को करेंगे।

11 किसानों से बात कर डीएम ने आय बढ़ाने के उपायों पर की चर्चा

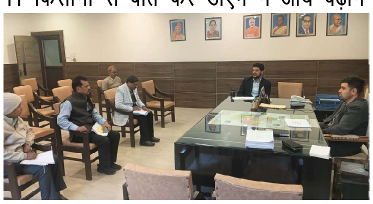

संवाददाता–महराजगंज। पशुपालन, मत्स्य पालन व रेशम पालन की समीक्षा बैठक में डीएम अनुनय झा ने एक नई पहल की। उन्होंने रेशम से कोया बनाने वाले 11 किसानों से बात की। आय बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। सुझावों के अनुसार कार्ययोजना बनाने का निर्देश दिया।

डीएम ने सबसे पहले मत्स्य पालन में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा, राष्ट्रीय कृषि विकास, मछुआ दुर्घटना बीमा तथा तालाबों व पोखरा क पट्टा आवंटन की समीक्षा की। सहायक निदेशक मत्स्य को चारों तहसीलों में आवंटित लक्ष्य एवं उसकी प्रगति को बढ़ाने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने लक्ष्य के अनुरूप शत–प्रतिशत तालाबों का पट्टा करने का निर्देश दिया। जिले में स्थापित समस्त हेचरी की नियमित जांच करने तथा मत्स्य बीज वितरण, हेचरी की गुणवत्ता को भी क्षेत्र में जाकर देखने का निर्देश दिया। कहा कि मत्स्य पालक किसान के लिए केसीसी की सुविधा उपलब्ध कराए जाएं।

पशुपालन विभाग की विभिन्न योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार करते हुए स्वदेशी नस्ल की गायों के संवर्धन और किसानों की आय के वैकल्पिक स्रोतों को सृजित करने का निर्देश दिया गया। उन्होंने गोवंशों के लिंग आधारित कृत्रिम गर्भाधान को भी बढ़ाने को कहा। इसी प्रकार उन्होंने पशुपालकों को चिह्नित करने, कुक्कड़ पालन, बकरी पालन, छुट्टा पशुओं का सर्वे, कांजी हाउस, पशुधन बीमा तथा पशुपालन विभाग से संबंधित योजनाओं में प्रगति बढ़ाने के लिए मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. हौसला प्रसाद को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि हॉस्पिटल वाइज योजनावार विस्तृत विवरण सहित सूची तैयार कर उपलब्ध कराएं।

डीएम ने रेशम से कोया बनाने वाले जिले के 11 किसानों से बात कर आय बढ़ाने के लिए उनके सुझावों को सुना। विस्तृत चर्चा करते हुए कहा कि रेशम पालक कोया से धागा बनाने के लिए मशीन खरीदें। इसमें शासन से निर्धारित अनुदान प्राप्त करें।

उन्होंने रेशम पालकों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा सेड एवं अन्य सुविधा को उपलब्ध कराने में मदद की जाएगी। बैठक में सीडीओ अनुराज जैन, मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. हौसला प्रसाद, सहायक निदेशक मत्स्य संजय कुमार, सहायक निदेशक रेशम समर बहादुर सिंह सहित रेशम पालक उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार की नीतियां किसान विरोधी –ब्रह्मा शंकर

संवाददाता–देवरिया। पूर्व मन्त्री ब्रह्मा शंकर त्रिपाठी ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियां किसान विरोधी और पूंजीवादी घराने की पोषक है। भाजपा सरकार में किसान सबसे अधिक परेशान हैं। वे गुरुवार को तरकुलवा कस्बा में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार किसानों को खाद–बीज नहीं दे पा रही है। पूरे प्रदेश में डीएपी की भारी किल्लत है। किसान ओने–पौने दाम पर अप्रमाणिक खाद खरीदने को मजबूर हो रहे हैं। प्रदेश के हर जिले में खाद की कालाबाजारी हो रही है। रबी फसलों की सिंचाई शुरू है, लेकिन नहरों में पानी नहीं है। धान क्रय केंद्रों पर किसानों के धान नहीं खरीदे जा रहे हैं। किसान खाद–बीज और नहरों में पानी के लिए मारे–मारे फिर रहे हैं। उन्होंने कहा की पथरदेवा इलाके की शाहपुर शुक्ल क्रय केंद्र के कुछ किसान मिले थे, जिनका कहना था कि वहां किसानों का धान नहीं खरीदा जा रहा है। क्रय केंद्र प्रभारी केवल व्यापारियों का धान खरीद रहे हैं। शाहपुर शुक्ल की नहर में कभी पानी नहीं आता हैं। क्रय केंद्र प्रभारी बिचौलियों और व्यापारियों का धान खरीद रहे हैं। किसानों की आय को दोगुना करने का सरकार का वादा धोखा है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेता समितियों पर कब्जा कर खाद की कालाबाजारी कर रहे हैं। उन्होंने जिलाधिकारी से मामले का गंभीरतापूर्वक संज्ञान लेते हुए दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

श्रीधाम अयोध्या में वृंदावन धाम के हनुमान टेकरी के पूर्वाचार्य को किया गया नमन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। वृंदावन धाम की सुप्रसिद्ध पीठ हनुमान टेकरी के पूर्वाचार्यों महंत रामस्वरुप दास एवं महंत रामशरण दास महाराज को संतों ने शिद्दत से याद किया। गुरुवार को पूर्वाचार्यों की पुण्य स्मृति पर अयोध्याधाम स्थित प्रतिष्ठित पीठ मणिरामदास छावनी में महंत नृत्यगोपाल दास के सानिध्य और उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास महाराज के संयोजन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा में अयोध्यानगरी के विशिष्ट संत–महंतों ने साकेतवासी महंत को पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। संतों ने पूर्वाचार्यों के कृतित्व–व्यक्तित्व पर प्रकाश भी डाला। इस अवसर पर हनुमान टेकरी वृंदावन के वर्तमान पीठाधीश्वर श्रीमहंत दशरथ दास महाराज ने कहा कि पूर्वाचार्य महंत विलक्षण प्रतिभा के धनी संत रहे। उन्होंने सेवा को ही अपना धर्म माना और उसी को अंगीकार किया। अपने शिष्य–अनुयायियों को भी सेवा धर्म के लिए प्रेरित किया और सेवा का पाठ पढ़ाया। आजीवन सेवा ही परमोधर्म के मार्ग पर चलते रहे। उसी का अनुसरण किया। उनका मानना था कि सेवा ही परम धर्म है। इससे बढ़कर और कोई दूसरा धर्म नही है। वह गौ एवं संत सेवी रहे। पुण्यतिथि

पर बड़ी संख्या में संतों ने प्रसाद ग्रहण किया। महामंडलेश्वर दशरथ दास द्वारा संत–महंतों का स्वागत–सम्मान भी किया गया। पूर्वाचार्यों को श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में राजकोट गुजरात के महंत रामरूप दास बापू, दशरथ महल के विंदुगाद्याचार्य महंत देवेंद्र प्रसादाचार्य, पूर्व सांसद रामविलास दास वेदांती, लक्ष्मणकिला धीश महंत मैथिलीरमण शरण, बड़ाभक्तमाल के महंत स्वामी अवधेश कुमार दास, रामवल्लभाकुंज के अधिकारी राजकुमार दास, रसिक पीठाधीश्वर महंत जन्मेजय शरण, हनुमत निवास के महंत मिथलेश नंदनी शरण, खड़ेश्वरी मंदिर महंत रामप्रकाश दास, डाड़िया महंत गिरीश दास, तुलसीदास छावनी के महंत जनार्दन दास, मंगलभवन महंत कृपालु रामभूषण दास, महंत अर्जुन दास, महंत मनमोहन दास, महंत अवधकिशोर शरण, महंत रामलोचन शरण, महंत डॉ. ममता शास्त्री, महंत भूषण दास महंत राघवेश दास वेदांती, रामायणी गोवर्धन दास, महंत तुलसीदास, महंत कमलादास, महंत रामशरण दास, महंत राममंगल दास, महंत रामकुमार दास, महंत रामजी शरण, महंत प्रियाशरण, महंत प्रियाप्रीतम शरण, महंत रामप्रिया शरण, महंत अशोक दास, महंत रामलखन शरण, स्वामी सर्वेश्वर दास, आनंद शास्त्री, महंत विमल कृष्ण दास, महंत उत्तम दास, महंत रामदास, महंत श्रीकांत शरण, अंबरीश शरण, विद्याभूषण, संतदास, सूरज दास, दीपक दास आदि संत–महंत रहे।

जीआईसी के पास न बने मॉडल वेडिंग जोन

संवाददाता–गोंडा। शहर में तीन जगहों पर 11 महीने पहले डीएम नेहा शर्मा के प्रयास पर तीन स्थानों पर मॉडल वेंडिंग जोन बनाने की राज्य शहरी आजीविका मिशन (एनयूएलएम) से मंजूरी मिली थी। गुरुवार को जीआईसी के पास काम शुरू होने की सुगबुगाहट पर प्रधानाचार्य ने आपत्ति जताई है। उन्होंने परीक्षाओं की गोपनीयता का हवाला देते हुए डीएम को पत्र भी लिखा है। शहर में जीआईसी की चारदीवारी से जुड़कर निर्माण कार्य कराने की तैयारी को लेकर पालिका टीम ने गुरुवार को नापजोख शुरू की। इस पर प्रधानाचार्य शैलेश कुमार पटेल ने डीएम और डीआईओएस को पत्र लिखकर आपत्ति जताते हुए वेंडिग जोन अलग बनाए जाने की मांग की है। प्रधानाचार्य ने पत्र में लिखा है कि विद्यालय को यूपी बोर्ड परीक्षा में संकलन एवं मूल्यांकन केंद्र बनाया जाता है। विद्यालय के करीब से अन्य भवन निर्माण होने से संकलित विभिन्न जिलों से आई बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं की गोपनीयता और सुरक्षा पर असर पड़ने की संभावना है। परीक्षा प्रारंभ होने से पहले विद्यालय में बोर्ड परीक्षा के प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिकाएं विशेष सुरक्षा में रखी जाती हैं।

केन्द्र व प्रदेश सरकार किसानों के हित के चला रही योजनाएं-विधायक

संवाददाता–श्रावस्ती। किसानों के हित में सरकार की ओर से मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना संचालित की जा रही है। गुरुवार को प्रमाण पत्र वितरण समारोह का आयोजन कर 47 लाभार्थियों को अनुमति पत्र दिया गया। इस दौरान जरूरतमंद लोगों को कम्बल भी बांटे गए। विधायक रामफेरन पाण्डेय ने तहसील इकौना के सभागार में मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को खाते में हस्तानान्तरित की गई धनराशि का प्रमाण पत्र दिया। इस दौरान विधायक ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों के हित के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की ओर से किसानों के लिए अनेक योजनाओं का संचालन किया जा रहा है तथा पात्रता के आधार पर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। जिसके तहत मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना कल्याण योजना के लाभार्थियों को यह लाभ दिया गया है। इस मौके पर एसडीएम इकौना ओम प्रकाश आदि मौजूद रहे।

इसी तरह तहसील जमुनहा व तहसील भिनगा सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा ने किसान दुर्घटना बीमा, मार्ग दुर्घटना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण वितरित किया। इस दौरान उन्होंने जरूरत मंद लोगों को ठंड से बचाव के लिए कम्बल भी बांटे। इस मौके पर एसडीएम जमुनहा आशीष भारद्वाज, एसडीएम भिनगा पीयूष जायसवाल, भाजपा जिला उपाध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह, दिनेश आर्या, कमलेश कुमार आदि मौजूद रहे।

प्रत्येक क्षण को सुधारोगे तो मृत्यु भी सुधरेगी
कथा पाण्डाल में श्री कृष्ण जन्मोत्सव की धूम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती । जिसका शरीर सुन्दर है किन्तु हृदय विष से भरा हुआ है वही पूतना है। पूतना का विनाश होने पर ही कृष्ण मिलन हो पाता है। जीव भगवान की शरण ले तो उसके सभी पाप दूर हो जाते है।'' सन मुख होय जीव मोहि जबही। जन्मकोटि अघ नाशहुं तबही।। मनुष्य एक दूसरे को देव रूप मानने लगें तो कलयुग, सतयुग बन सकता है। भजन के लिये अनुकूल समय की प्रतीक्षा न करो, कोई भी क्षण भजन के लिये अनुकूल है। प्रत्येक क्षण को सुधारोगे तो मृत्यु भी सुधरेगी। यह सद् विचार आचार्य अनिरुद्ध जी महाराज ने राजेश्वरी मिश्रा प्राकृतिक कृषि फार्म दुबखरा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के चौथे दिन व्यासपीठ से व्यक्त किया।

कथा पाण्डाल में श्री कृष्ण जन्मोत्सव आनन्द के साथ मनाया गया। श्रद्धालु भक्तजनों ने श्रीकृष्ण का दर्शन कर अपनी प्रसन्नता को व्यक्त किया। ''भये प्रकट कृपाला, दीन दयाला'' के बीच गुब्बारे उडाकर मिठाई का वितरण हुआ। अवतार कथा के विस्तार से वर्णन करते हुये महात्मा जी ने कहा कि सृष्टि में जब पापाचार, दुराचार बढ जाता है तो परमात्मा विविध रूप धारण कर नर लीला करते हुये पृथ्वी को पाप से

मुक्त करते हुये सदाचरण सिखाते हैं। प्रत्येक अवतार के पीछे लोक मंगल की कामना छिपी है। ईश्वर भक्तों की सुख शांति के लिये स्वयं कितना कष्ट भोगते हैं यह भक्त ही जानते हैं। महात्मा जी ने कहा कि परमात्मा जिसे मारते हैं उसे भी तारते हैं। उन्हें सत्ता नहीं संत और सहजता प्रिय है। रावण का बध कर श्रीराम चन्द्र ने लंका का राज्य विभीषण को सौंप दिया और कन्हैया ने कंस का बध कर राज्य उग्रसेन को दे दिया।

महात्मा जी ने कहा कि जीवन कर्म भूमि है और उसका उचित अनुचित फल भोगना पड़ता है। जीवन को जितना सहज बनाकर प्रभु को अर्पण करेंगे जीवन में उतनी ही शांति मिलेगी। गोपाल शर्मा, लक्ष्मण, आशीष ने भक्ति गीतों से वातावरण को आध्यात्मिक हो गया। गोपाल

–श्रीमद्भागवत कथा

शर्मा, लक्ष्मण, आशीष ने भक्ति गीतों से वातावरण को आध्यात्मिक हो गया है। यज्ञाचार्य योगेश शुक्ल और मनीष मिश्र ने विधि विधान से पूजन कराया।

श्रीमद्भागवत कथा के क्रम में मुख्य यजमान कर्नल के.सी. मिश्र, ने विधि विधान से व्यास पीठ का पूजन अर्चन किया। मुख्य रूप से गोसेवा आयोग उपाध्यक्ष महेश शुक्ल, मनीष सिंह, ऊषा सिंह, राजपति, अंकुर यादव, राधेश्याम यादव, रंजीत मिश्र, कर्नल मिथुन मिश्र, रामवृक्ष मिश्र, लालजी मिश्र, बजरंगी मिश्र, डा. सत्यनरायन मिश्र, डा. अवध नरायन मिश्र, दिग्विजय, रविन्द्र, आनन्द, कृष्ण कुमार पाण्डेय, आर. के. शुक्ल, सुशील मिश्र, आर.के. शुक्ल, आर.के. त्रिपाठी, कुसुम मिश्रा, अनुराधा पाण्डेय, सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

नीलगायों से फसल बचाने की जद्दोजहद में रात भर जाग रहे हैं किसान

संवाददाता– सिद्धार्थनगर। किसान गेहूं की बुआई करने के लिए खाद के लिए परेशान रहे। किसी प्रकार काम चल गया तो अब उगी फसल को बचाने के लिए दिन–रात जद्दोजहद कर रहे हैं। दिन हो या रात नील गायों व छुट्टा पशुओं का झुंड पहुंच कर फसल को चट कर जा रहा है। चट करने के साथ बाकी बची फसलों को रौंद कर बरबाद कर रहे हैं। किसान खेतों की रखवाली ठंड की रात में रतजगा कर करने को मजबूर हैं।

किसानों का कहना है कि जैसे ही सभी फसलों का पौधा तैयार है। नील गायों का निवाला बन जा रहा है। झुंड में नील गाय व छुट्टा पशु पहुंच कर उनकी मेहनत पर पानी फेर दे रहे हैं। वह जितना खाते हैं उससे कहीं अधिक अपने पैरों रौंद कर बरबाद कर दे रहे हैं। किसानों का कहना है जंगली सूअर भी खेतों में पहुंच जा रहे हैं जो खोद देते हैं। फसलों को बचाने के लिए किसान अपने खेतों में झोपड़ी व मचान के बगल में कंटीले तार व मच्छर दानी वाला जाल लगाकर रतजगा करना पड़ रहा है। वन्य प्राणी होने की वजह से कोई किसान कुछ कर भी नहीं सकता है।

जीजीआईसी कुर्की बाजार की छात्राओं ने कुमारगंज विश्वविद्यालय का किया भ्रमण

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। सावित्रीबाई फुले राजकीय बालिका इंटर कॉलेज कुर्की बाजार की छात्राओं ने अध्ययन यात्रा के तहत गुरुवार को नरेंद्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कुमारगंज अयोध्या का भ्रमण किया। छात्राओं ने वहां पर मत्स्य पालन, टेक्सटाइल, फूड एंड न्यूट्रिशन विभाग समेत अन्य विभागों के बारे में जानकारी हासिल की। अध्ययन यात्रा की नोडल डॉ प्रियंका तिवारी और सरिता देवी की अगुवाई में 60 छात्राओं का दल गुरुवार की सुबह विद्यालय परिसर से बस के माध्यम से रवाना हुआ। छात्राओं ने वहां पहुंचकर मत्स्य पालन विभाग में मछली पालन के बारे में जानकारी प्राप्त की। किस तरह से अच्छी प्रजाति की मछलियों के माध्यम से आय प्राप्त की जा सकती है। इसके बारे में वहां के विशेषज्ञों से जानकारी ली। टेक्सटाइल विभाग, फूड एंड न्यूट्रिशन विभाग, चाइल्ड एंड डेवलपमेंट एक्सटेंशन डिपार्टमेंट, वस्त्र एवं तंत्र विभाग का भी भ्रमण किया और संबंधित विभागों के बारे में विस्तृत जानकारी वहां के शिक्षकों से प्राप्त की। यात्रा की नोडल डॉक्टर प्रियंका तिवारी ने बताया कि जिला विद्यालय निरीक्षक के निर्देश पर विद्यार्थियों के चतुर्दिक विकास एवं उच्च शिक्षा हेतु प्रेरित करने के लिए समग्र शिक्षा अभियान के तहत यह यात्रा कराई जा रही है, जिससे छात्राएं भविष्य में जो कुछ भी करना चाह रही हैं उसके बारे में उनको पहले से जानकारी हो। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुमित्रा देवी ने बताया कि कुमारगंज विश्वविद्यालय में भ्रमण के उपरांत छात्राओं का दल देर शाम वापस आ गया। शैक्षिक यात्रा के दौरान छात्राएं काफी उत्साहित नजर आई। विश्वविद्यालय परिसर में भ्रमण के दौरान उन्होंने भविष्य की संभावनाओं को तलाशा और उस पर अमल करने का संकल्प लिया। अध्ययन यात्रा के दौरान विद्यालय की शिक्षिका ज्योत्सना सिंह, कंचन सिंह, प्रतिमा पटेल, शिवम शुक्ल समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

ग्राम प्रधान के वित्तीय अधिकार पर रोक, त्रिस्तरीय कमेटी का गठन

संवाददाता– सिद्धार्थनगर, । खेसरहा क्षेत्र के विशुनपुर मुस्तहकम गांव में विकास कार्यों में अनियमितता का जिक्र करते हुए ग्राम प्रधान की संलिप्तता की शिकायत की गई। पूरे प्रकरण की जांच डीडीओ को मिली। जांच के दौरान प्रथम दृष्टया शिकायत का अधिकांश बिंदु सही मिला। डीएम डॉ. राजागणपति आर ने ग्राम प्रधान के प्रशासनिक एवं वित्तीय अधिकार पर रोक लगाने के साथ ही संतोषजनक जवाब न मिलने पर तीन सदस्यीय कमेटी के खाता संचालन की कार्रवाई संबंधी नोटिस दिया है। डीएम की ओर से खेसरहा ब्लॉक के ग्राम पंचायत विशुनपुर मुस्तहकम की ग्राम प्रधान लक्ष्मी देवी को जारी नोटिस में लिखा है कि शिकायती पत्र की जांच जिला विकास अधिकारी से कराई गई। प्रथम दृष्टया अधिकांश अनियमितताएं पाई गई है। लिहाजा ग्राम प्रधान के पद के वित्तीय एवं प्रशासनिक अधिकारों पर रोक लगाने समेत ग्राम प्रधान के दायित्व संचालन के लिए ग्राम पंचायत के निर्वाचित सदस्यों में से तीन सदस्यों का कमेटी का गठन किया जाना प्रस्तावित है। डीएम ने जांच आख्या के आधार पर प्रत्येक बिंदुओं का जवाब 15 दिवस में साक्ष्यों समेत लिखित स्पष्टीकरण देने का निर्देश दिया है। जवाब संतोषजनक न होने पर तीन सदस्यीय कमेटी के खाता संचालन की कार्रवाई करने की चेतावनी दी है।

विशुनपुर मुस्तहकम गांव में विकास कार्यों की जांच में लगभग 21 लाख की वित्तीय अनियमितता मिली हैं। इसमें पिचरोड से रामकरन के घर तक इंटरलाकिंग, फिरोज के घर से देवघर बाबा के स्थान तक इंटरलाकिंग, पिचरोड से सामुदायिक शौचालय तक इंटरलाकिंग, अफसर के घर से सत्तार के घर तक नाली निर्माण समेत आरसीसी सेंटर निर्माण, सामुदायिक शौचालय, दिव्यांग शौचालय निर्माण, कंपोजिट विद्यालय में हुए विविध कार्य प्रमुख रूप से शामिल है। खेसरहा क्षेत्र के विशुनपुर मुस्तहकम गांव में विकास कार्यों में अनियमितता मिलने संबंधी शिकायती पत्र की जांच की गई। डीएम के निर्देश पर मौके पर किए गए जांच में कई कार्य मौके पर हुए ही नहीं मिले। कई पत्रावलियां दिखाने में भी असफल रहे। विस्तृत रिपोर्ट डीएम को भेजी जा चुकी है।

सड़क किनारे गड्ढे में पलटी, कार, एक की मौत, चार घायल

संवाददाता– सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज थाना क्षेत्र के शाहपुर–सिंगारजोत मार्ग पर रमवापुर उर्फ नेबुआ गांव मोड़ पर अनियंत्रित होकर एक कार सड़क से नीचे खाई में पलट गई। इससे कार सवार पांच लोगों में से एक की मौत हो गई जबकि चार घायल हो गए। घायलों में से दो ही हालत गंभीर देख बस्ती जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया जबकि दो प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिए गए। वहीं परिजन शव को लेकर घर चले गए। भवानीगंज थाना क्षेत्र के बयारा गांव निवासी असलम शाह (23) पुत्र हसरत शाह, जमील (30) पुत्र यूनुस, महताब (23) पुत्र वलीउल्लाह, याकूब (22) पुत्र ताज मोहम्मद व सोनू (19) पुत्र कादिर बुधवार की रात करीब 12 बजे मन्नीजोत से डांस देख कर कार से घर वापस आ रहे थे। अभी वह डुमरियागंज थाना क्षेत्र के शाहपुर–सिंगारजोत मार्ग पर नेबुआ मोड़ के पास पहुंचे थे ।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी महेन्द्र सिंह पुत्र स्वर्गीय श्री हरि प्रसाद सिंह ग्राम–दीनारी दवनपुरवा पोस्ट उसरेर थाना करनैलगंज जनपद गोण्डा (उ.प्र.) का निवासी है। मेरे दो पुत्र अमित सिंह और अमन सिंह है। मेरे पुत्र अमित सिंह का चाल चलन ठीक नहीं है। वह आये दिन परिवार में कलह किया करता है। समझाने पर भी नहीं मानता। उसका सम्बन्ध कुछ असामाजिक तत्वों से हो गये हैं। इसे देखते हुये मैं उसे 11–12–2024 से अपने चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी कृत्य, लेन देन, वाद विवाद आदि के लिये अमित सिंह स्वयं जिम्मेदार होगा। अब उसका मेरे परिवार से कोई सम्बन्ध नहीं है। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

हर घर नल योजना के कार्य में तेजी लाएं –जिलाधिकारी

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन योजना के तहत निर्माणाधीन परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा की। बैठक में परियोजनाओं को पूर्ण करने में अपेक्षित प्रगति न पाए जाने पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। समीक्षा बैठक में परियोजनाओं के दैनिक कार्य में प्रगति लाने के लिए कार्यदायी संस्थाओं को प्रत्येक परियोजना पर अधिक से अधिक मानव संसाधन एवं मशीनरी लगाकर कार्यों में अपेक्षित सुधार लाने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि हर घर नल योजना शासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में एक है और इस परियोजना का उद्देश्य जन सामान्य को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना है। परियोजनाओं का कार्य गुणवत्तापूर्ण और समय से पूरा किया जाए। रोजाना के प्रगति से प्रतिदिन अवगत कराया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, अधिशासी अधिकारी जल निगम, जिला पंचायती राज अधिकारी,अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी, अधिशासी अभियंता विद्युत सहित संबंधित कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी एवं समस्त ब्लाकों के जेई मौजूद रहे। जिला शिक्षा एवं अनुश्रवण समिति निपुण टास्क फोर्स की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में ऑपरेशन कायाकल्प, निपुण भारत तथा विभाग में संचालित अन्य योजनाओं की बिन्दुवार समीक्षा की गई।

जिलाधिकारी द्वारा प्रबंध समिति के गठन पर चर्चा करते हुए सभी सदस्यों को उनके कार्य व दायित्व के संबंध में प्रशिक्षण के लिए निर्देशित किया गया। उन्होंने प्रत्येक विद्यालय में स्पोर्ट सामाग्री एवं पुस्तकालय से पुस्तकों के वितरण की समुचित व्यवस्था करने का निर्देश दिया।

कार्यालय नगर पालिका परिषद–बस्ती

पत्रांक 5339 / न०पा०प०ब० / यूनीपोल / 2024–25 / दिनांकः–11–12–2024

अति अल्पकालिक निविदा सूचना

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद बस्ती सीमान्तर्गत मुख्य मार्ग गाँधी नगर, मालवीय मार्ग, रोडवेज तिराहा से दक्षिण दरवाजा रोड व रेलवे स्टेशन रोड पर यूनीपोल स्थापित किये जाने हेतु वर्ष 2024–25 हेतु दर आमन्त्रित करता है। इच्छुक फर्म / कार्यदायी संस्था अपना दर गुहर बन्द लिफाफे में दिनाक–23.12.2024 को अपरान्ह 12:30 बजे तक अधोहस्ताक्षरी के विज्ञापन अनुभाग में प्राप्त करा सकता है, जो उसी दिन निविदा दाता फर्म या उसके प्रतिनिधि के रामक्ष सायं 4:00 बजे खोला जायेगा। निविदा फार्म की विक्री दिनाक–21.12.2024 तक किया जायेगा जिसे निर्धारित शुल्क रू0 1000.00 जमा करके प्राप्त किया जा सकता है। निविदा फार्म के साथ निविदादाता फर्म को रू0 25,000.00 का एफ०डी०आर०, एन०एस०सी०, डी०डी० जो अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका परिषद बस्ती, के पदनाम से बंधक होगा, जो जमा करना अनिवार्य होगा। बिना जमानत धनराशि के किसी भी निविदा पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा। यूनीपोल के संबंध में समस्त विवरण निविदा प्रपत्र पर उपलब्ध होगा। निविदा के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी विज्ञापन अनुभाग से किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है। दर स्वीकृत होने के उपरान्त फर्म / कार्यदायी संस्था द्वारा नियमानुसार जो यातायात को प्रभावित न करते हो निर्धारित स्थान पर स्थापित किया जा सकता है। निविदा तिथि को अवकाश पड़ने की दशा में अगले कार्य दिवस में निविदा प्राप्त / खोला जायेगा। किसी एक अथवा सम्पूर्ण निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

अधिशाषी अधिकारी / नगर पालिका परिषद, बस्ती

अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांक 5339 / न०पा०प०ब० / यूनीपोल / 2024–25 / दिनांकः–11–12–2024

कार्यालय नगर पालिका परिषद–बस्ती

निकट–कटेश्वर पार्क, गांधी नगर बस्ती। (272001)

पत्रांक 5357A / न०पा०प०ब० / जलकल अनु० / सेप्टिक टैंक / 2024–25 / दिनांकः– 11–12–2024

नोटिस

निजी सेप्टिक टैंक क्लीनर (डी–स्लेजिंग ऑपरेटर) का पंजीकरण कैम्प नगर पालिका परिषद बस्ती के जलकल अनुभाग के कार्यालय में दिनाक 16–12–24 से 31–03–25 तक आमन्त्रित किया जाता है। नगर पालिका परिषद बस्ती जलकल अनुभाग से सभी निजी सेप्टिक टैंक सफाई कर्मियो को सूचित किया जाता है किः–

1. नगर पालिका परिषद बस्ती के सेप्टिक टैंकों से मल एवं गाद को मशीनों के माध्यम से खाली करने और परिवहन प्रदान करने के लिये शहरी क्षेत्र में कार्यरत सभी निजी सेप्टिक टैंकर ट्रैक्टर आपरेटरों (डी–स्लेजिंग आपरेटर) को पंजीकृत करने तथा लाईसेन्स जारी करने का निर्णय लिया गया है। सेप्टिक टैंक को मशीनों के माध्यम से सक करने वाली सभी निजी टैंक सफाई करने वाले व्यक्तियों / फर्मो को शहर में अपने कार्य करने के लिए लाईसेन्स की आवश्यकता होगी।
2. इस लिए नगर पालिका परिषद वस्ती के जलकल अनुभाग कार्यालय में सभी निजी ऑपरेटर के पंजीकरण के लिए दिनांक 16–12–24 से 31–03–25 के दौरान एक पंजीकरण शिविर का आयोजन कर रहा है। पंजीकरण का समय प्रात. 10:00 बजे से सायंकाल 05:00 बजे तक होगा।
3. पंजीकरण शिविर की अवधि समाप्त होने के उपरान्त पंजीकरण शुल्क जमा करना अनिवार्य होगा।
4. यदि कोई निजी सेप्टिक टैंकर ट्रेक्टर क्लीनर (डी–स्लेजिंग ऑपरेटर) नगर पालिका सीमा की सीमाओं के भीतर बिना पंजीकरण के कार्य करते पाया जाता है तो सम्बन्धित ऑपरेटर के ऊपर नगर पालिका परिषद बस्ती द्वारा रू0 10000 / – जुर्माना अविरोपित किया जायेगा। जुर्माना की धनराशि जमा न करने वाले ऑपरेटरों के ऊपर शासनादेशानुसार विधिक कार्यवाही की जायेगी।
5. लाईसेन्स की अवधि एकवित्तीय वर्ष (अप्रैल से मार्च) तक होगी।
6. सभी निजी सेप्टिक टैंक सफाई आपरेटर को किसी भी प्रकार से मलगाद किसी भी नाला / नाली / जल स्त्रोत में न गिराकर जलकल अनुभाग नगर पालिका परिषद बस्ती का सिविल लाईन चांद मारी अमहट के निकट एक एस.टी.पी. प्लाट के मुख्य इनलेट में ही निस्तारित करें अन्यथा कि स्थिति में किसी भी नाला / नाली / जल स्त्रोत में मलगाद मलया का निस्तारण करते हुए पाये जाने पर उनका पंजीकरण निरस्त करते हुए रू0 5000 / – का अर्थदण्ड लगाया जाएगा। जिसके लिए निजी सेप्टिक टैंक संचालक स्वयं जिम्मेदार होगें।

अतः उक्त प्रारूप अनुमोदनार्थ एवं प्रकाशन हेतु प्रेषित है।

अधिशाषी अधिकारी / उपजिलाधिकारी (प्रशिक्षु) नगर पालिका परिषद, बस्ती

अध्यक्ष नगर पालिका परिषद, बस्ती

पत्रांक 5357A / न०पा०प०ब० / जलकल अनु० / सेप्टिक टैंक / 2024–25 / दिनांकः– 11–12–2024

दुष्कर्म के आरोपित को दस साल की सजा

संवाददाता–गोरखपुर। दुष्कर्म करने के जुर्म में विशेष न्यायाधीश फास्ट ट्रैक कोर्ट मनोज कुमार ने झगहां क्षेत्र के झगहां टोला पांडेय निवासी अभियुक्त पन्नेलाल यादव को दस साल के कठोर कारावास एवं 53 हजार रुपए अर्थदंड से दण्डित किया है। अर्थदंड न देने पर अभियुक्त को सात माह का कारावास अलग से भुगतना होगा। अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता रमेश चन्द्र पांडेय एवं सिद्धार्थ सिंह का कहना था कि घटना 12 फरवरी 2007 की शाम करीब छह बजे की है। वादी काम से बाहर गया था और उसकी पत्नी बाजार गई थी।वादी की लड़की घर पर अकेली थी। अभियुक्त वादी की लड़की को घर में अकेला पाकर जबरदस्ती उसके घर में घुस गया और घर का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। वादी की लड़की को चाकू की नोक पर डरा धमकाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय– श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 48 / 2003
श्रीपति
बनाम
राजेन्द्र आदि
2 / 1 राघवेन्द्र सिंह 2 / 2 राघवेन्द्र सिंह उर्फ पिन्टू सिंह पुत्रगण चन्द्रसेन निवासी ग्राम चन्दहर तप्पा दक्खिन हवेली परगना मगहर पूरब तहसील खलीलाबाद जिला–संतकबीरनगर
तारीख पेशी 23–12–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 23 माह 23 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0–110 / 2017
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रमाकान्त
बनाम
रामहित
1. रामहित उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र दुखी साकिन जिनवा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 27–01–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 27 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय– श्रीमान तृतीय अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0 522 / 2001
रफातुल्लाह आदि
बनाम
मुहम्मद यहिया
1 / 1 कमरुद्दीन पुत्र स्व0 मुहम्मद यहिया निवासी ग्राम कुर्दा तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 17–01–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 17 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जवाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मु0न0–226 / 2023
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
श्रीमती शान्ती देवी
बनाम
रामनरायन आदि
1 / 1 श्रीमती फूलमती देवी विधवा राम नरायन 2. राज कुमार पुत्र रामनरायन निवासीगण मौजा तिघरा हाल मुकाम चन्द्रभवन धर्मशाला रोड गांधी नगर बस्ती वार्ड नं–5 मोहल्ला बभनगांवा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 18–12–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 18 माह 12 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमूआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।
–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल bhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com